सुविचार

असफलता अंत नहीं है, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण चरण है। हर गलती से सीखिए और पहले से बेहतर बनने का प्रयास कीजिए।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in | email:- dainikprathamnews@gmail.com | Pratham News | @dainikprathamnews

महिला टी20 विश्वकप का आगाज 12 जून से ...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्षः 16 अंकः 159 | दिनांकः बुधवार, 10 जून 2026 | सम्पादकः विवेक धीर | सम्पर्कः 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

भारत ने 12 परमाणु वॉरहेड पहली बार ऑपरेशनल रूप से तैनात किए

भारत की परमाणु नीति में बदलाव के संकेत, भंडार 190 हथियारों तक पहुंचा

नई दिल्ली (ब्यूरो)– स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने पहली बार लगभग 12 परमाणु वॉरहेड्स को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह भारत की दशकों पुरानी उस नीति में संभावित बदलाव का संकेत है, जिसमें शांति काल के दौरान परमाणु हथियारों को उनके डिलीवरी सिस्टम से अलग रखा जाता था।

SIPRI का कहना है कि हाल के वर्षों में भारत ने कुछ परमाणु वॉरहेड्स को बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों (SSBN) और अन्य लॉन्च सिस्टम के साथ जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि कुछ हथियार अब तुरंत उपयोग योग्य स्थिति के करीब रखे जा सकते हैं, जो पारंपरिक डिटेरेन्स रणनीति में बदलाव का संकेत हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु हथियारों का भंडार हो सकता है, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी वृद्धि दर्शाता है। इनमें भूमि, वायु और समुद्री तीनों माध्यमों से तैनाती की क्षमता शामिल बताई गई है। हालांकि रिपोर्ट केवल आकलन और अनुमान पर आधारित है और भारत सरकार की ओर से इन दावों पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन पर चलाई गोली

जम्मू (ब्यूरो)– जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना एकदम अलर्ट मोड में है। सेना ने मंगलवार को पुंछ जलि में स्थ्रष्ट के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलीबारी की है। यह ड्रोन अचानक भारतीय सीमा में घुसकर मंडराने आया था। लेकिन भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। इस घटना के बाद सेना के जवान स्थ्रष्ट के पास और ज्यादा अलर्ट हो गए हैं और पाकिस्तान के नापाक मंसूबो पर नजर रखने के साथ प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुंछ जलि में पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि ऐसे समय पर देखी गई है, जब जम्मू-कश्मीर में बीते 15 दिनों के ज्यादा समय से राजौरी जिले के मंजाकोट सेक्टर में घने जंगल वाले इलाकों में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पहले भी आए पाकिस्तानी ड्रोन

इससे पहले हाल ही के दिनों में भी बॉर्डर पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए थे। जिसके बाद सेना ने जरूरी कार्रवाई की थी। पाकिस्तानी ड्रोन्स की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए भारत की सिक्योरिटी एजेंसियों ने इस घटना पर ध्यान दिया है और निगरानी बढ़ा दी गई है। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी ड्रोन्स की यह गतिविधि सीमा पार से निगरानी या किसी संदिग्ध उद्देश्य से की जा रही हो सकती है।

ज्ञात रहे कि पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कई ड्रोन भारत की तरफ छोड़े थे। जिन्हें सेना के रडार सिस्टम और डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया था।

पंजाब में स्टार्टअप्स को बड़ा प्रोत्साहन

31 उद्यमियों को 1.07 करोड़ की सीड ग्रांट

मुख्यमंत्री भगवंत मान बोले–पंजाब बनेगा देश का प्रमुख स्टार्टअप हब

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

09 जून (एएम नाथ)

पंजाब सरकार ने राज्य के स्टार्टअप इको-सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 31 स्टार्टअप्स को कुल 1.07 करोड़ रुपये की सीड ग्रांट वितरित की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस अवसर पर कहा कि राज्य को नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है।

इस योजना के तहत 7 स्टार्टअप्स को 5-5 लाख रुपये और 24 स्टार्टअप्स को 3-3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार ने 'पंजाब स्टार्टअप और इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026' के तहत सीड ग्रांट की अधिकतम सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है, ताकि शुरुआती चरण में स्टार्टअप्स को वित्तीय मजबूती मिल सके।

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब के युवा अब केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें यही सरकार का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि, एग्री-टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, जो आने वाले समय में हजारों रोजगार पैदा करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि कई भारतीय और वैश्विक सफल कंपनियों में पंजाबियों की बड़ी भूमिका रही है, और अब जरूरत है कि ऐसे उद्यम पंजाब में ही स्थापित हों। सरकार स्टार्टअप्स को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वित्तीय कमी किसी भी अच्छे विचार को रोक न सके। मान ने अपने संबोधन में कहा कि नवाचार ही आर्थिक विकास की असली ताकत है। उन्होंने विदेशी दौरों का उल्लेख करते हुए कहा कि साउथ कोरिया और नीदरलैंड जैसे देशों में मजबूत इनोवेशन सिस्टम ने वहां की अर्थव्यवस्था को बदल दिया है, और पंजाब भी उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सरकार का दावा है कि यह पहल न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि राज्य से होने वाले पलायन को भी कम करेगी।

कार्यक्रम में कई कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

NDA सरकार के 12 साल

PM मोदी ने तोड़ा सबसे लंबे वक्त तक प्रधानमंत्री रहने का नेहरू का रिकॉर्ड

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

09 जून (ब्यूरो)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजाद भारत में सबसे लंबे समय तक पीएम पद पर बने रहने के पंडित नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वो देश के सबसे लंबे कार्यकाल तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। 9 जून 2024 को ही उन्होंने एनडीए के तीसरे कार्यकाल में पीएम पद की शपथ ली थी और उनके सत्ता में रहने के 12 साल भी आज पूरे हो रहे हैं। पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और आज 9 जून 2026 तक उनके कार्यकाल के 4398 दिन पूरे हो गए हैं। अब वो सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

एनडीए 10 जून को दिखाएगा ताकत – एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की 10 जून को बैठक होगी और इसमें एकजुटता दिखाने के साथ शक्ति प्रदर्शन होगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू एक प्रस्ताव रखेंगे। अन्य सहयोगी दलों के नेता प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। प्रस्ताव में बतौर प्रधानमंत्री पिछले बारह साल की उपलब्धियों का जिक्र किया जाएगा।

पंडित नेहरू का 12 साल का रिकॉर्ड – भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 13 मई 1952 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। नेहरू लगातार 4397 दिन यानी 12 साल 14 दिन तक प्रधानमंत्री रहे थे। पीएम मोदी ने 9 जून को सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री का नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 4398 दिन यानी 12 साल 15 दिन पूरे कर लिए हैं। नेहरू हालांकि 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री बने थे लेकिन 1952 में लोकसभा चुनाव के पहले तक वो पांच साल अंतरिम सरकार के प्रमुख थे। नेहरू तब तक चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नहीं बने थे।

रोहतक डी-पार्क बाजार में भीषण आग

12 दुकानें जलकर खाक, एक शव बरामद

रोहतक (ब्यूरो)– शहर के व्यस्त डी-पार्क बाजार में मंगलवार दोपहर अचानक भड़की भीषण आग ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। आग सबसे पहले एक जूते के शोरूम में लगी और देखते ही देखते आसपास की 12 दुकानों तक फैल गई। जूते के शोरूम से एक शव बरामद हुआ है। डीएनए से पुष्टि हो पाएगी कि शव किसका है।

प्रारंभिक आशंका एसी के कंप्रेसर में विस्फोट के बाद आग भड़कने की जताई जा रही है। बाजार में कपड़े, जूते और अन्य ज्वलनशील सामान होने के कारण लपटें तेजी से फैलती चली गईं। धुएं का घना गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने बाजार खाली करवाया। रोहतक के अलावा बहादुरगढ़, झज्जर, जींद, भिवानी और गोहाना से दमकल वाहन बुलाने पड़े। देर शाम तक करीब 25 दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी रहीं। आगजनी के बाद से चार लोगों के लापता होने की सूचना है, जिनकी तलाश जारी है। आग लगते ही बाजार में भगदड़ जैसे हालात बन गए। आसपास के दुकानदार पहले आग बुझाने में जुटे, लेकिन लपटें बढ़ती देख कई लोग अपनी दुकानों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। मौके पर पहुंचे सांसद दीपेंद्र हुड्डा के सामने कई व्यापारी भावुक हो गए। एक दुकानदार ने बेटे के अंदर फंसे होने की आशंका जताते हुए प्रशासन से जल्द तलाश की गुहार लगाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक युवक बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था, लेकिन धुएं और आग के बीच वापस अंदर फंस गया।

पीओके में पाकिस्तानी सेना ने लोगों पर बरसाईं गोलियां, 30 की मौत, 200 घायल

पीओके में हिंसा के आरोप, प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी से तनाव बढ़ा

» प्रथम न्यूज । कराची

09 जून (एजेंसी)

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में हालात गंभीर और तनावपूर्ण बने हुए हैं। स्थानीय रिपोर्ट्स और कुछ समाचार दावों के अनुसार, हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोगों की मौत और घायल होने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब एक प्रदर्शनकारी की शोकसभा और अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे।

दावों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (छ्वष्ट) द्वारा आहूत बंद और विरोध प्रदर्शनों के दौरान स्थिति और बिगड़ गई। आरोप है कि भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच टकराव के बाद गोलीबारी हुई, जिसमें लगभग 30 लोगों की मौत और 200 से अधिक लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है। साथ ही, कई लोगों को हिरासत में लिए जाने और कुछ के लापता होने के भी दावे किए गए हैं।

रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि शोकसभा उसी व्यक्ति की थी, जिसकी पहले कथित रूप से सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मौत हुई थी। अंतिम संस्कार के दौरान भारी भीड़ जमा होने के बाद तनाव और बढ़ गया, जिसके बाद हालात हिंसक हो गए।

कुछ दावों में यह भी आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ नेतृत्व की ओर से कार्रवाई के आदेश दिए गए थे, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पाकिस्तान सरकार या सेना की ओर से इन घटनाओं पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद क्क्षय में स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। क्षेत्र में असंतोष और विरोध की आवाजें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे हालात और अधिक संवेदनशील बने हुए हैं।

नर्सिंग स्टाफ के गुस्से के आगे झुकीं रेणु भाटिया

चंडीगढ़ (एएम नाथ)– नर्सिंग स्टाफ के भारी विरोध प्रदर्शन के बाद रेणु भाटिया ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन पद से इस्तीफा दे दिया है। रेणु ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के अपना इस्तीफा सौंप दिया और कहा कि भविष्य में अगर किसी पद पर नियुक्ति किया जाएगा तो उसका पूरी निष्ठा और इमानदारी से निर्वहन करेंगी। बता दें कि पूरे प्रदेशभर में नर्सिंग स्टाफ राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया के खिलाफ उनके विवादित बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और उनसे माफी की मांग करते हुए इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए थे।

दरअसल, 7 जून को कुरुक्षेत्र के LNJP (लोकनायक जयप्रकाश) सिविल अस्पताल में रेणु भाटिया ने प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर (PMO) डॉ. साराह अग्रवाल समेत ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ को जमकर फटकार लगाई थी। भाटिया 15 वर्षीय लड़की के रेप मामले में दौरा करने पहुंची थीं।

इस दैरान उन्होंने एक नर्स से पूछा था– क्या आपकी भी बेटी है? नर्स के हां में जवाब देने पर उन्होंने कहा, क्या आप अपनी बेटी को 15 मिनट के लिए भी किसी कमरे में अकेला छोड़ सकती हैं? फिर इस बच्ची को अकेला कैसे छोड़ दिया गया?

मुख्यमंत्री सुक्खू ने नॉर्वे की कंपनियों को हिमाचल में निवेश के लिए किया आमंत्रित

अपशिष्ट प्रबंधन और हरित विकास में नॉर्वे से सहयोग बढ़ाएगा हिमाचल

» प्रथम न्यूज । शिमला

09 जून (बी. शर्मा)

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और नॉर्वे प्राकृतिक संरक्षण और सतत विकास के साझा दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहे हैं। दोनों के बीच सहयोग से ऐसे नवाचारपूर्ण समाधान विकसित किए जा सकते हैं, जो न केवल हिमाचल बल्कि विश्व के अन्य पर्वतीय क्षेत्रों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने शिमला में भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर के साथ बैठक के दौरान विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस कचरा प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था, संसाधन पुनर्प्राप्ति, सतत पर्यटन, कचरा-मुक्त पर्यटन स्थलों का विकास, जलवायु-अनुकूल शहरी विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित परिवर्तन, डिजिटल गवर्नेंस और स्मार्ट सिटी जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश निर्माण एवं विध्वंस मलबे के प्रबंधन और पुनर्चक्रण के क्षेत्र में नॉर्वे की विशेषज्ञता, उन्नत तकनीक और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का लाभ उठाने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में नॉर्वे के साथ सहयोग की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। श्री सुक्खू ने नॉर्वे की कंपनियों को हिमाचल प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए विशेष रूप से पर्यटन, हरित ऊर्जा और भू-तापीय ऊर्जा क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नॉर्वे के संस्थानों, विशेषज्ञों और तकनीकी साझेदारों के साथ मिलकर ऐसे व्यावहारिक मॉडल विकसित करना चाहती है, जिन्हें अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में भी लागू किया जा सके।

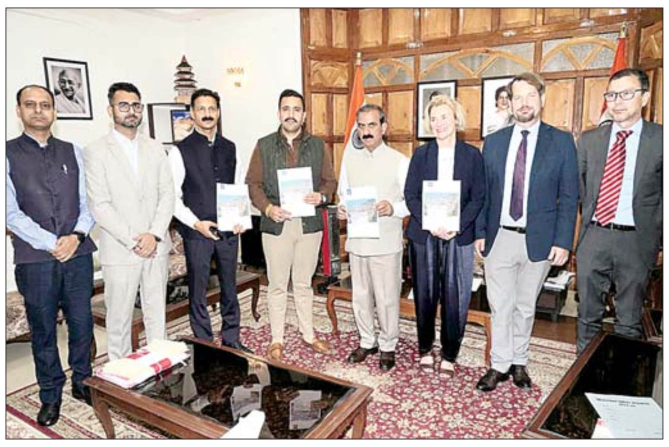

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, हरित आवरण को 29.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत करने तथा रसायनमुक्त प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है। इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी में बीजेपी, अमित शाह संभालेंगे कमान

ड्रग्स के खिलाफ अभियान से चुनावी रणनीति को धार देने की योजना

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

09 जून (एएम नाथ)

पश्चिम बंगाल में हालिया चुनावी सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अब आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। पार्टी का फोकस खासकर उत्तर भारत के राज्यों पर है, जहां अगले वर्ष की शुरुआत में चुनाव होने की संभावना है। इनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर शामिल हैं, जहां फिलहाल बीजेपी की सरकार है। वहीं पंजाब ऐसा राज्य है जहां पार्टी की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर मानी जाती है।

सूत्रों के अनुसार बीजेपी ने इन राज्यों में अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ-साथ पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए विशेष योजना बनाई है। पार्टी नेतृत्व को भरोसा है कि चार राज्यों में उसकी सरकार की वापसी आसान हो सकती है, जबकि पंजाब में वह पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरने जा रही है।

इस पूरी रणनीति की कमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में है। बताया जा रहा है कि शाह ने हाल ही में पश्चिम बंगाल चुनाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई थी और पार्टी को वहां बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली थी। अब वही मॉडल पंजाब में अपनाने की तैयारी है।

सूत्रों के मुताबिक, इस महीने अमित शाह पंजाब बीजेपी नेताओं की एक अहम बैठक करेंगे, जिसमें राज्य से जुड़े राजनीतिक फीडबैक और जमीनी स्थिति पर चर्चा होगी। इसके बाद राज्य में ड्रग्स के खिलाफ एक बड़े अभियान या यात्रा को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसकी शुरुआत खुद अमित शाह कर सकते हैं। पार्टी ने यह भी संकेत दिया है कि इस बार वह शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन किए बिना चुनाव लड़ेगी। बीजेपी का लक्ष्य पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का है। पार्टी खासकर शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी अपना जनाधार बढ़ाने पर जोर दे रही है।

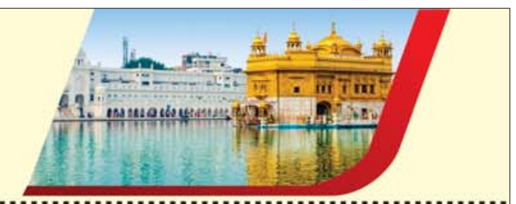

संक्षिप्त न्यूज

जीरा विकास परिषद ने भविष्य में चिकित्सा शिविरों के आयोजन के लिए रूपरेखा तैयार की है

जीरा, 8 जून (अंग्रेज बराड़) – सामाजिक सेवा और जन कल्याण के उद्देश्य से गठित जीरा विकास परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू मिक्सिंग वाले की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहर और आसपास के गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए भविष्य में एक बड़ा चिकित्सा शिविर आयोजित करने की योजना बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए जीरा विकास परिषद के संरक्षक और जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुखदेव सिंह बिट्टू विज ने कहा कि समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी या जागरूकता की कमी के कारण कई लोग समय पर इलाज नहीं करा पाते, जिससे बीमारियां गंभीर रूप ले लेती हैं। इसलिए परिषद विशेषज्ञ डॉक्टरों की मदद से मुफ्त चिकित्सा जांच शिविरों का आयोजन करेगी। परिषद के अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू मिक्सिंग वाले ने कहा कि संगठन केवल विकास कार्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जन कल्याण से जुड़े हर मुद्दे पर सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में आंखों, दांतों, मधुमेह, हृदय रोग और अन्य सामान्य बीमारियों की जांच के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। स्वास्थ्य परियोजना प्रभारी डॉ. प्रदीप वर्मा ने बताया कि इन चिकित्सा शिविरों में मरीजों की मुफ्त जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी फैलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों को मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के बारे में जानकारी दी जाएगी ताकि बीमारियों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। परिषद के सचिव जगदेव शर्मा ने बताया कि चिकित्सा शिविरों की सफलता के लिए विभिन्न सामाजिक सेवा संगठनों, डॉक्टरों और दानदाताओं का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिविरों की तिथियों और स्थानों की विस्तृत जानकारी शीघ्र ही घोषित की जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

वाणी विचार चेतना मंच पंजाब द्वारा पुरस्कारों के लिए पुस्तकों की मांग

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) – वाणी विचार चेतना मंच पंजाब रजि. द्वारा पुरस्कार देने के लिए 'दलित साहित्य' की पुस्तकों की मांग की है, मंच द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पंजाबी में दलित साहित्य की छप रही पुस्तकों पर पुरस्कार देने का फैसला किया है।

इस संबंध में मंच की एक विशेष बैठक हुई जिसमें मंच के मुख्य संरक्षक जी एम बलविंदर सिंह जातिवाल, मंच के प्रदेश अध्यक्ष गुरनाम सिंह अकीदा, मंच के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गुरमीत सिंह कॉलर माजरी, जगदीश लाल बध्धण होशियारपुर, प्रो. लाल बहादुर भाटिया जालंधर, फतेहजंग सिंह चंडीगढ़, कुलदीप चंद नंगल, जी एम डॉ. सुरजीत सिंह भदौड़, विद्वान डॉ. संतोख सिंह सुक्खी आदि नेता उपस्थित हुए। इसके तहत फैसला किया गया कि गद्य में ज्ञानी दित सिंह अवार्ड, पत्रकारिता के लिए सुंदर सिंह लायलपुरि अवार्ड, कविता के लिए लाल सिंह दिल अवार्ड, कहानी के लिए प्रेम गोरखि अवार्ड, नाटक के लिए डॉ. चरण दास सिद्धू अवार्ड, उपन्यास के लिए डॉ. गुरचरन सिंह राव अवार्ड, गीतकार और किस्सा काव्य के लिए दिया सिंह आरिफ अवार्ड, ग्रामीण संस्कृति के लिए छज्जू सिंह दंदराला अवार्ड, इसके अलावा आत्मकथा अवार्ड दिए जाएंगे। यह अवार्ड 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2026 तक छपी पुस्तकों को दिए जाएंगे। संबंधित लेखक अपनी पुस्तकें 31 जुलाई तक 49 एफ रणजीत नगर सिऊना रोड पटियाला के पते पर भेज सकते हैं।

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी पंजाब ने डेरा बाबा नानक रोड पर केंद्र सरकार का फूंका पुतला

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और पटियाला में बेरोजगारों पर हुए लाठीचार्ज की तीखी निंदा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
09 जून (संदीप सन्नी)

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी पंजाब के जोन तेजा सिंह स्वतंत्र द्वारा जिला गुरदासपुर के गांव बाउपुर अफगाना रोड, डेरा बाबा नानक पर जोन प्रधान निर्मल सिंह आदिया की अगुवाई में मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार का आदमकद पुतला फूंका गया।

अमेरिका से दोस्ती के लिए देश के नागरिकों की दी जा रही बलि- इस मौके पर जिला प्रेस सचिव सुखदेव सिंह अल्लड़पिंडी और राज्य नेता सविंदर सिंह चुताला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका-इरान युद्ध का हवाला देकर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया गया है। तेल की कीमतों में रोजाना हो रही बढ़ोतरी के कारण आम किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन करना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ अपनी दोस्ती निभाने के लिए देश के छोटे किसानों, मजदूरों, छात्रों और छोटे व्यापारियों के हितों की बलि दे रहे हैं। यह भारत-अमेरिका समझौता देश की किसानी और अर्थव्यवस्था के लिए मौत का वार साबित होगा।

पंजाब सरकार के नादरशाही रवैये और लाठीचार्ज की निंदा

किसान नेताओं ने पंजाब सरकार को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राज्य सरकार भी केंद्र की इन कॉर्पोरेट-परस्त नीतियों में बराबर की भागीदार बन रही है। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं, किसानों और मजदूरों पर अंधा तशद्दुद ढाकर नादरशाही राज चलाने की कोशिश की जा रही है, जिसे संघर्षशील जनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। नेताओं ने पटियाला में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे लाइनमैन और 2660 अप्रेंटिसशिप कर्मचारियों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की।

हाईवे मुआवजे को लेकर जिला प्रशासन को चेतावनी

राज्य नेता सविंदर सिंह चौताला और हरविंगर सिंह मसाणियां ने जिला प्रशासन को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि पिछले 5 साल से लटके हुए नेशनल हाईवे के मामलों को तुरंत हल किया जाए।

किसानों की जमीनों का बनता मुआवजा उनके खातों में डालने के बाद ही प्रशासन जमीन का कब्जा लेने की नीति अपनाए। यदि बिना मुआवजा दिए जबरन कब्जा करने की कोशिश की गई, तो जत्थेबंदी हर स्तर पर तीखा संघर्ष शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ये सभी रहे उपस्थित

इस रोष प्रदर्शन के दौरान संगठन के कोषाध्यक्ष सतनाम सिंह, उपाध्यक्ष सुखविंदर सिंह, निशान सिंह बाउपुर, सोनू बाउपुर, जपकीरत हुंदल, तरलोक सिंह आदी, जरनैल सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान-मजदूर उपस्थित थे।

नशा तस्करों पर गुरदासपुर पुलिस का शिकंजा : 7,500 एमएल अवैध शराब और स्कूटी सवार तस्कर से 7 ग्राम 190 मिलीग्राम हेरोइन बरामद, 2 गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – जिला पुलिस गुरदासपुर ने नशा तस्करों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करते हुए ने विभिन्न थानों के अंतर्गत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध शराब, हेरोइन और एक स्कूटी बरामद करने में सफलता हासिल की है।

मामला 1- 7,500 एमएल अवैध शराब समेत 1 आरोपी गिरफ्तार

अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत थाना पुराना शाला की पुलिस को कामयाबी मिली है

थाना पुराना शाला – पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नत्था राम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 7,500 एमएल अवैध शराब बरामद की गई। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना पुराना शाला में आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मामला 2 – स्कूटी सहित 7 ग्राम 190 मिलीग्राम हेरोइन के साथ तस्कर काबू – नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए गए चेकिंग अभियान के तहत थाना सिटी गुरदासपुर की पुलिस को सफलता मिली है-

थाना सिटी गुरदासपुर – पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान राकेश कुमार नामक व्यक्ति को एक स्कूटी सहित गिरफ्तार किया है। जब आरोपी की गहनता से तलाशी ली गई, तो उसके कब्जे से 7 ग्राम 190 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ थाना सिटी गुरदासपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-61-85 के तहत मामला दर्ज कर अगली कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सीनियर वूमैन किक्रेट होशियारपुर ने कपूरथला को 7 विकेट से हराकर अर्जित की दूसरी जीतः डा. रमन घई

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) – पंजाब किक्रेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर जिला सीनियर वूमैन किक्रेट टूर्नामेंट के एक दिवसीय 50-50 ओवरों के मैच में होशियारपुर की टीम ने कपूरथला टीम को 7 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत अर्जित की। इस संबंधी जानकारी देते हुए एचडीसीए सचिव डा. रमन घई ने बताया कि कपूरथला की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवरों में 204 रन बनाए। जिसमें मुस्कान शर्मा ने 47, सुखमनलीन कौर तथा समरीत कौर ने 30-30 रनों का योगदान दिया। होशियारपुर की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए अंजलि सीमर व संजना कुमारी ने 4-4 विकेट तथा शिवानी ने कपूरथला के 2 खिलाड़ियों को आउट किया। उन्होंनें बताया कि जीत के लिए 50 ओवरों में 205 रनों का लक्ष्य लेकर बल्लेबाजी करने मैदान में उतरी होशियारपुर की टीम ने 42.1 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाकर 7 विकेट से यह मैच जीतकर अपनी लगातार दूसरी जीत के साथ 4 अंक अर्जित किए। होशियारपुर की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए पूजा देवी ने नवाद 78 रन तथा निरंका ने अपनी अच्छी बल्लेबाजी जारी रखते हुए इस मैच में भी 50 रन की पारी खेली। इसके अलावा वंशिका ने 20, मनरीत ओलख ने 16 तथा कप्तान सुहाना ने नवाद 15 रन बनाए।

माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे का तोहफा, 14 जून से पंजाब सहित कई राज्यों में चलेगी नई ट्रेन

» प्रथम न्यूज । जालंधर
09 जून (डोगरा)

सोमवती अमावस्या के अवसर पर तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने श्री माता वैष्णो देवी कटरा से हरिद्वार के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन संख्या 04606/04605 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-हरिद्वार-श्री माता वैष्णो देवी कटरा के रूप में संचालित की जाएगी। माता वैष्णो देवी (कटरा) के लिए सबसे प्रमुख और पसंदीदा नई ट्रेनों में वंदे भारत एक्सप्रेस और श्री शक्ति एसी एक्सप्रेस शामिल हैं? इसके अलावा, रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए समय-समय पर स्पेशल ट्रेनें भी चलाता है

ट्रेन संख्या 04606 कटरा से 14 जून 2026, रविवार को शाम 18:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 06:30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04605 हरिद्वार से 15 जून 2026, सोमवार को शाम 17:20 बजे चलकर अगले दिन सुबह 07:00 बजे कटरा पहुंचेगी। इस ट्रेन का केवल एक फेरा संचालित होगा।

यह पूरी तरह आरक्षित विशेष ट्रेन होगी। ट्रेन में कुल 16 कोच लगाए जाएंगे जिसमें स्लीपर, जनरल, एसी 3-टियर और ए.सी. 2-टियर कोच शामिल हैं। मार्ग में शहीद कैप्टन तुषार महाजन, जम्मू तवी, पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट, लुधियाना, अंबाला कैंट, सहारनपुर एवं रूड़की सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने कहा कि सोमवती अमावस्या पर माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी जाती है। यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। उन्होंने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे तत्काल आरक्षण कराएं और केवल वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें। टिकटों की उपलब्धता और आरक्षण की स्थिति के लिए यात्री 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

17 जून को पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा जालंधर में एक भव्य प्रांतीय सम्मेलन आयोजित करेगा और एक जोरदार संघर्ष की घोषणा करेगाः करम सिंह धनोआ

» प्रथम न्यूज । जालंधर
09 जून (कुलदीप सिंह)

पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा की बैठक लुधियाना के इसरू भवन में मोर्चे के संयोजक करम सिंह धनोआ की अध्यक्षता में हुई। बैठक की कार्यवाही प्रेस को जारी करते हुए करम सिंह धनोआ ने कहा कि पंजाब सरकार पिछले साढ़े चार वर्षों से पंजाब के पेंशनभोगियों की मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रही है और पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, वित्त सचिव और मुख्य सचिव को लगातार मांग पत्र भेजकर बैठकों के लिए समय मांग रहा है ताकि पेंशनभोगियों की वैध और संवैधानिक मांगों का समाधान किया जा सके।

बैठक में उपस्थित विभिन्न पेंशनभोगी संगठनों के प्रतिनिधियों, भजन सिंह गिल, सुरिंदर राम कुसा, अविनाश शर्मा, राकेश शर्मा, देव राज, गुरदीप सिंह वालिया, गुरमीत सिंह तिवाना, बिक्कर सिंह माछिके और सरबजीत सिंह दाउधर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार, महंगाई भत्ता 60% तक बढ़ाने, 165 महीनों का बकाया जारी करने और छठे वेतन आयोग के बकाया को 30 जून तक एकमुश्त जारी करने के आदेश की अनदेखी की जा रही है। इस संबंध में, कैबिनेट उप-समिति ने एक सीलबंद लिफाफे में जहरीला सांप भेजा है जो अपने जहरीले डंक से महंगाई भत्ता और पिछले संघर्षों के माध्यम से प्राप्त ग्रेड को नष्ट कर देगा।

छठे वेतन आयोग द्वारा अनुशंसित 2.59 के गुणांक और राष्ट्रीय संशोधन पद्धति के माध्यम से 1-1-2016 से पहले पेंशनभोगियों की पेंशन में संशोधन करने के निर्णय को लागू करने के बजाय, इन अनुशंसाओं पर अमल किया जा रहा है। इसके चलते पंजाब के साढ़े तीन लाख पेंशनभोगियों में भारी असंतोष और आक्रोश है, जो किसी भी समय दंगे का रूप ले सकता है। दवाओं की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, पिछले कई वर्षों से चिकित्सा भत्ता केवल 1000 रुपये ही दिया जा रहा है। गंभीर और अन्य जानलेवा बीमारियों के चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति के लिए बजट समय पर जारी नहीं किया जाता है और न ही इन्हें पारित करने के लिए कोई समय सीमा या मानदंड निर्धारित किए जाते हैं। न ही उपचार के लिए कोई लाभकारी कैशलेस स्वास्थ्य योजना लाई जा रही है। जिसके कारण पिछले 10 वर्षों में, जानलेवा और घातक बीमारियों का शिकार हुए लगभग 40 हजार पेंशनभोगियों ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, पेंशनभोगी मोर्चे ने पेंशनभोगियों के दर्द और पीड़ा को भांपते हुए संघर्ष के मैदान में उतरने का फैसला किया है। इसका शुभारंभ 17 जून, 2026 को देश भगत यादगार हॉल में एक भव्य राजकीय सम्मेलन से होगा। सम्मेलन के मंच से संयुक्त मोर्चे के सभी नेता एक स्वर में अगले उग्र संघर्ष की घोषणा करेंगे।

संयुक्त मोर्चे के सभी नेताओं ने पंजाब के पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे अपनी जायज संवैधानिक मांगों को मनवाने के लिए संघर्ष के मैदान में उतरें और 17 जून, 2026 को सुबह ठीक 11:00 बजे जालंधर में होने वाले राजकीय सम्मेलन में अधिकतम संख्या में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

मतदाता सूची की एस.आई.आर से हो रही शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती का आधार : ओ.पी. धनखड़

मतदाता सूचियों की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता निभाएंगे सक्रिय भूमिका : श्रीनिवासुलू

» प्रथम न्यूज । जालंधर
09 जून (शैली अल्बर्ट)

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 तथा संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मतदाता सूचियों की शुद्धता, पारदर्शिता एवं अखंडता बनाए रखने के उद्देश्य से शुरू किए गए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्3क्र) अभियान के संबंध में आज लायंस क्लब, जालंधर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय सचिव ओ.पी. धनखड़ ने की, जबकि ओ.पी. अरोड़ा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को स्3क्रअभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।

उन्होंने बताया कि भारत का प्रत्येक नागरिक, जिसने निर्धारित तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है और जो किसी कानूनी अयोग्यता के अधीन नहीं है, मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने का अधिकार रखता है। निर्वाचन आयोग का यह अभियान लोकतंत्र को और अधिक मजबूत एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के संगठन मंत्री मंत्री श्रीनिवासुलू ने कहा कि भाजपा हमेशा राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखकर कार्य करती है। उन्होंने सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तथा क्क्र-1 एवं क्क्र-2 को अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता सूचियों का गहन सत्यापन करने और पात्र मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज करवाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

श्रीनिवासुलू ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता निर्वाचन आयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेगा, ताकि लोकतंत्र की मजबूती में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके। वहीं ओ.पी. धनखड़ ने कहा कि शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया की आधारशिला है तथा भाजपा कार्यकर्ता इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बैठक में भाजपा प्रदेश महामंत्री अनिल सरीन, जालंधर के पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू, पूर्व विधायक शीतल अंगुराल, अविनाश चंद्र, सरबजीत सिंह मक्कड़, जगबीर सिंह बराड़, भाजपा जालंधर देहाती साउथ के अध्यक्ष मनीष धीर, जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार, भाजपा जिला जालंधर देहाती उत्तरी के अध्यक्ष रंजीत सिंह पवार सहित मंडल प्रधान, शक्ति केंद्र प्रमुख, बूथ स्तर के कार्यकर्ता एवं अनेक वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया तथा मतदाता जागरूकता एवं सत्यापन अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का भरोसा दिया।

नगर परिषद चुनाव : गुरदासपुर, दीनानगर और कादियां में हथियार व ज्वलनशील पदार्थ ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
09 जून (संदीप सन्नी)

आगामी नगर कौंसिल चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। गुरदासपुर के एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट गुरसिमरन सिंह ढिल्लों ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इसके तहत नगर परिषद गुरदासपुर, नगर परिषद दीनानगर और नगर परिषद कादियां की सीमा के भीतर हर प्रकार के अग्नशस्त्र, हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ और तेजधार हथियार (जैसे तकुए, बरछे, त्रिशूल आदि) को साथ लेकर चलने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

13 जून को होना है मतदान

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नगर परिषद गुरदासपुर, दीनानगर और कादियां के चुनाव आगामी 13 जून 2026 (शनिवार) को होने जा रहे हैं। इन चुनावों के दौरान क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए संबंधित नगर परिषदों की सीमाओं के भीतर हथियारों के प्रदर्शन और उन्हें साथ लेकर घूमने पर पाबंदी लगाना अनिवार्य समझा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सेना और पुलिस कर्मियों को मिलेगी छूट

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी यह आदेश ड्यूटी पर तैनात आर्मी पर्सनल, पैरा मिलिट्री फोर्स और वर्दीधारी पुलिस कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। वे अपनी आधिकारिक ड्यूटी के तहत हथियार ले जा सकेंगे।

16 जून तक प्रभावी रहेंगे आदेश

प्रशासन की ओर से जारी यह निषेधाज्ञा आदेश दिनांक 8 जून 2026 से लागू होकर चुनाव प्रक्रिया के संपन्न होने तक यानी 16 जून 2026 तक पूरी तरह से प्रभावी रहेंगे। इन आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी तौर पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

विधायक राम कुमार चौधरी व आयुक्त नगर निगम बद्दी सोनाक्षी सिंह तोमर द्वारा स्वगणना की

बीबीएन, 9 जून (तारा)– इस वर्ष आरंभ हो रही जनगणना की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है और इसमें ऑनलाइन माध्यम से स्वयं की जानकारी अपलोड करने का विकल्प भी दिया गया है। स्वयं ऑनलाइन अपलोडिंग के स्वगणना पोर्टल एसई.सेन्सस.जीओवी.इन se.census.gov.in पहली जून से 15 जून तक खुला रहेगा। इसमें लोग स्वगणना पोर्टल पर पूछे गए सवालों की ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे। अपलोडिंग के बाद उन्हें एक आईडी नंबर मिलेगा। नगर निगम आयुक्त सोनाक्षी सिंह तोमर ने कहा कि उन्होंने व दून के विधायक ने मंगलवार को ऑनलाइन पोर्टल पर स्वगन्ना की है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग स्वगणना पोर्टल पर उपलब्ध स्वगणना के विकल्प का अधिक से अधिक उपयोग करें। इससे जनगणना का कार्य तेजी से पूरा होगा और लोग स्वयं एवं अपने परिवार से संबंधित सही जानकारी अपलोड कर सकेंगे।

जनगणना की प्रक्रिया के तहत ही 16 जून से 15 जुलाई तक मकानों का सूचीकरण एवं मकान गणना की जाएगी। इस प्रक्रिया को पूर्ण करवाने में भी सभी लोग प्रगणकों का पूर्ण सहयोग करें। जनगणना हमारे लोकतंत्र और विकास की रीढ़ है। अत: इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सभी अपना सहयोग प्रदान करें नगर निगम की आयुक्त ने सभी शहर वासियों से आवाहन किया है की सभी स्वगणना में बड़चढ़ कर भाग लें।

शिव मंदिर दसलेहड़ा की नई भागवत कमेटी का गठन, राज कुमार बने प्रधान

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)– स्थानीय शिव मंदिर दसलेहड़ा में मंदिर एवं भागवत कमेटी के पुनर्गठन के लिए एक विशेष आम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में गांव के गणमान्य लोगों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा में पिछले पांच वर्षों के कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया।

बैठक की शुरुआत पूर्व प्रधान जोगिंदर पाल द्वारा पिछले पांच वर्षों में मंदिर के विकास, रखरखाव और धार्मिक आयोजनों की जानकारी साझा करने के साथ हुई। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए नई कमेटी के गठन का प्रस्ताव रखा।

नई कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया ग्राम पंचायत के उप-प्रधान राकेश वालिया की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुई। इस दौरान अशोक कुमार एवं रीना देवी ने प्रधान पद के लिए राज कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित लोगों ने ध्वनि मत से समर्थन किया। इसके बाद राकेश वालिया ने राज कुमार को मंदिर एवं भागवत कमेटी का नया प्रधान घोषित किया।

नई कार्यकारिणी में अशोक कुमार को उप-प्रधान, रामेश्वर शर्मा को सचिव तथा सोहन लाल सोनी को कोषाध्यक्ष चुना गया। सभा में निर्णय लिया गया कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर एक समावेशी कमेटी का विस्तार किया जाएगा, ताकि मंदिर के रखरखाव, सुंदरीकरण और भविष्य में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा जैसे धार्मिक कार्यक्रमों को और अधिक भव्य एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए मंदिर की गरिमा और धार्मिक परंपराओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

छींज कमेटी दसलेहड़ा का पुनर्गठन, सोम दत्त कालिया बने नए प्रधान

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– ग्राम पंचायत दसलेहड़ा में पारंपरिक दंगल (छींज) के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर आयोजित विशेष आम सभा में छींज कमेटी का सर्वसम्मति से पुनर्गठन किया गया। खेल प्रेमियों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन लोकतांत्रिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया।

चुनावी प्रक्रिया ग्राम पंचायत दसलेहड़ा के नवनियुक्त उप-प्रधान राकेश वालिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान अनीश कुमार ने प्रधान पद के लिए सोम दत्त कालिया के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका विवेक शेखर और हेमराज ने समर्थन किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके बाद सोम दत्त कालिया को छींज कमेटी का नया प्रधान घोषित किया गया।

नई कार्यकारिणी में विजय कुमार को वरिष्ठ उप-प्रधान, राकेश वालिया को उप-प्रधान, नीलेश कुमार को सचिव, अनीश कुमार को संयुक्त सचिव तथा अजय कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। सभी पदाधिकारियों ने कमेटी की जिम्मेदारियों को निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लिया।

नवनिर्वाचित प्रधान सोम दत्त कालिया ने ग्रामीणों और कमेटी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छींज केवल एक खेल नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर खेलों की ओर प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सभा में निर्णय लिया गया कि जनसहयोग और आपसी तालमेल से इस वर्ष के छींज दंगल को पहले से अधिक भव्य, अनुशासित और आकर्षक बनाया जाएगा। कमेटी ने क्षेत्रवासियों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील भी की।

27 जून को होगी नवनिर्वाचित ग्राम पंचायतों की पहली बैठक, प्रधान दिलाएंगे पंचायत सदस्यों को शपथ

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम) जिला में आगामी 27 जून को नवनिर्वाचित ग्राम पंचायतों की प्रथम बैठक निर्धारित की गई है। इस सम्बन्ध में एक आदेश जारी करते हुए उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज सामान्य नियम 1997 के नियम 22 के अनुसार इस दौरान सम्बन्धित ग्राम पंचायत प्रधान द्वारा पंचायत के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन में बोले हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, युवाओं को बताया परिवर्तन का आधार

विकसित भारत केवल सपना नहीं, राष्ट्रीय प्रतिबद्धता : पठानिया

कहा, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में राज्यों की भूमिका अहम, केंद्र-राज्य समन्वय से ही बनेगा विकसित भारत : कुलदीप सिंह पठानिया

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़/शिमला
09 जून (बी. शर्मा)

हरियाणा विधानसभा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन-2 सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल एक राष्ट्रीय लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक मिशन है। उन्होंने कहा कि यदि देश को विकसित राष्ट्र बनना है तो राज्यों का समान रूप से विकसित होना भी आवश्यक है। केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही विकसित भारत 2047 का सपना साकार हो सकेगा।

पठानिया ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना की नींव देश के स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग और बलिदान से रखी थी। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि स्वतंत्रता संग्राम का पहला बिगुल हिमाचल प्रदेश की धरती पर फूंका गया था। उन्होंने महान क्रांतिकारी बजीर राम सिंह पठानिया का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1848 में उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला संगठित विद्रोह किया था। मात्र 24 वर्ष की आयु में उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके बाद मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और महात्मा गांधी सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों ने देश को आजादी दिलाई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का विजन केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य समृद्ध, समावेशी, आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से उन्नत और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ भारत का निर्माण करना है। इसके लिए कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका, मीडिया, नागरिक समाज और विशेष रूप से युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। पठानिया ने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख को मजबूत करना, बेरोजगारी और गरीबी जैसी चुनौतियों का समाधान तथा केंद्र-राज्य संबंधों में सौहार्द विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करें और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र सिंह कल्याण, राज्यसभा के उपसभापति डॉ. हरिवंश तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उत्कृष्ट सत्र संचालन के लिए हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने कुलदीप सिंह पठानिया को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के दूसरे दिन गेयटी थियेटर में हुआ पहाड़ी कवि सम्मेलन का आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
09 जून (बी. शर्मा)

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के दूसरे दिन ऐतिहासिक गेयटी थियेटर के सभागार में पहाड़ी कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिला से आए प्रतिष्ठित साहित्यकारों, कवियों एवं साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया तथा अपनी रचनाओं के माध्यम से हिमाचल की लोक संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक सरोकारों और प्रकृति की सुंदरता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा यह नई पहल की गई है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी भाषा और साहित्य हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं तथा इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रस्तुत पहाड़ी कविताओं का संकलन तैयार कर पुस्तक के रूप में करेंगे प्रकाशित : उपायुक्त ने कहा कि इस कवि सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया है। इन कविताओं में हिमाचल की संस्कृति, लोक जीवन, परंपराएं और सामाजिक मूल्यों की झलक देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में प्रस्तुत की गई पहाड़ी कविताओं का संकलन तैयार कर जिला प्रशासन भविष्य में एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित करेगा। इस पुस्तक को प्रदेश के सभी पुस्तकालयों में उपलब्ध करवाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग पहाड़ी साहित्य से जुड़ सकें और इसकी समृद्ध परंपरा से परिचित हो सकें।

उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और साहित्यकार समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा सामाजिक चेतना के विकास में साहित्यकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। समाज के निर्माण और सकारात्मक परिवर्तन में साहित्यकारों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कवि सम्मेलन के दौरान विभिन्न कवियों ने पहाड़ी भाषा में अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कविताओं में लोक संस्कृति, ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक एकता तथा मानवीय संवेदनाओं जैसे विषयों को प्रमुखता से स्थान दिया गया। उपस्थित दर्शकों ने कवियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत किया गया है। यह आयोजन न केवल पहाड़ी भाषा और साहित्य को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, बल्कि प्रदेश के साहित्यकारों और युवाओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान कर गया। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यकार, कवि, गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत त्यूड़ी के आकाश भारद्वाज ने प्राप्त किया स्वर्ण पदक, प्रदेश में प्रथम स्थान

बंगाणा, (जोगिंद्र देव आर्य)– जिला ऊना की ग्राम पंचायत तयूड़ी के निवासी आकाश भारद्वाज ने जयपुर (राजस्थान) में आयोजित तृतीय दीक्षांत समारोह में विधि स्नातकोत्तर (अपराध विज्ञान) में स्वर्ण पदक प्राप्त कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्हें यह सम्मान राजस्थान के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े द्वारा प्रदान किया गया। आकाश भारद्वाज ने विधि स्नातकोत्तर (अपराध विज्ञान) में पूरे राजस्थान प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए उन्हें स्वर्ण पदक एवं योग्यता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित अनेक न्यायाधीश, अधिवक्ता, वरिष्ठ प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। आकाश भारद्वाज सेवानिवृत्त प्रवक्ता, अधिवक्ता एवं समाजसेवी स्वर्गीय वीरेंद्र कुमार भारद्वाज तथा अधिवक्ता एवं समाजसेवी शाम दुलारी के पुत्र हैं।

उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता शाम दुलारी तथा अपनी बहन अधिवक्ता शिखा भारद्वाज को दिया, जो वर्तमान में अंब न्यायालय में सेवाएं दे रही हैं। आकाश ने बताया कि परिवार से मिले मार्गदर्शन और विधिक क्षेत्र की प्रेरणा ने उन्हें यह सफलता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। आकाश भारद्वाज की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर ग्राम पंचायत तयूड़ी, जिला ऊना तथा समूचे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पांगी सड़क और जनजातीय दर्जे के मुद्दों पर राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के समक्ष उठी आवाज

विधायक डॉ. जनक राज ने रखीं भरमौर-पांगी क्षेत्र की प्रमुख मांगें, आयोग ने हिमाचल सरकार से मांगी अनुशंसा, जनजातीय क्षेत्रों की उम्मीदें बढ़ीं

» प्रथम न्यूज । शिमला
09 जून (एएम नाथ)

भरमौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. जनक राज ने मंगलवार को शिमला स्थित पीटरहॉफ में आयोजित बैठक के दौरान राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों के समक्ष क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। बैठक में जनजातीय क्षेत्रों के विकास, संपर्क सुविधा और जनजातीय दर्जे से संबंधित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।

विधायक डॉ. जनक राज ने आयोग के समक्ष सबसे प्रमुख मांग के रूप में पांगी घाटी को जिला मुख्यालय चम्बा से जोड़ने वाले ऐसे सड़क मार्ग के निर्माण और विकास का विषय रखा, जो वर्ष भर और हर मौसम में सुचारु रूप से खुला रहे। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पांगी क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से आवागमन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं।

इसके अलावा विधायक ने मैहला विकास खंड की 24 पंचायतों को जनजातीय दर्जा प्रदान करने की मांग भी आयोग के समक्ष रखी। उनका कहना था कि इन पंचायतों की सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिस्थितियां जनजातीय क्षेत्रों के अनुरूप हैं, इसलिए इन्हें भी जनजातीय क्षेत्र का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने भरमौर क्षेत्र के उल्लांसा और हड़सर गांवों के निवासियों को भी जनजातीय दर्जा दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक के दौरान आयोग के अध्यक्ष ने इन मांगों को गंभीरता से सुना और हिमाचल प्रदेश सरकार को निर्देश दिए कि वह संबंधित विषयों पर अपनी अनुशंसा तैयार कर राष्ट्रीय जनजातीय आयोग को भेजे।

आयोग ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की अनुशंसा प्राप्त होने के बाद इन मांगों को केंद्र सरकार के समक्ष आगे बढ़ाया जा सकेगा।

विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि यह क्षेत्र के लोगों के लिए सकारात्मक पहल है और उन्हें विश्वास है कि राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार जनहित से जुड़े इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेंगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इन मांगों के पूरा होने से जनजातीय क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी और स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ प्राप्त होगा।

विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत गठित समितियों की बैठकें आयोजित

» प्रथम न्यूज । सोलन
09 जून (बी. शर्मा)

अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन की अध्यक्षता में गत दिवस अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत गठित ज़िला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति, प्रधानमंत्री का नया 15 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत बैठक, दिव्यांगजन अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2016 के अंतर्गत गठित ज़िला स्तरीय समिति तथा राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 के अंतर्गत गठित स्थानीय स्तरीय समिति की बैठकों का आयोजन किया गया।

राहुल जैन ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय को योजनाओं का लाभ पहुंचाना है ताकि उनका आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक उत्थान सुनिश्चित बनाना है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत ज़िला में गत वर्षों में 105 मामले प्राप्त हुए है जिनमें से 47 मामले विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में 76 मामलों में 105 पीड़ितों को 72.16 लाख रुपए की सहायता राशि उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को शेष मामलों को शीघ्र निपटारा करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने सम्बन्धित विभागों को अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम, 1989 के विषय पर समय-समय पर जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

राहुल जैन ने प्रधानमंत्री का नया 15 सूत्रीय कार्यक्रम बैठक की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करें। उन्होंने अधिकारियों को अल्पसंख्यक समुदायों के पात्र मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से जोड़ने तथा कौशल विकास भत्ता योजना का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए ताकि पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि आर्थिक क्रियाकलापों के लिए अधिवृद्धित सहायता योजना के अंतर्गत ज़िला एवं तहसील कल्याण कार्यालयों के माध्यम से पात्र एवं इच्छुक लाभार्थियों को ऋण सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में अभी तक ज़िला में 15 लाभार्थियों को 87 लाख रुपए की राशि ऋण के रूप में प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों को विश्वकर्मा योजना के बारे में जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

उपायुक्त ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की बैठक की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र दिव्यांगजनों को आवश्यतानुसार सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए औपचारिकताएं पूर्ण करना सुनिश्चित बनाएं।

मनमोहन शर्मा ने राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 के अंतर्गत गठित स्थानीय स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को अधिनियम की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए।

ज़िला कल्याण अधिकारी विवेक अरोड़ा ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बद्दी अशोक वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक सोलन अशोक चौहान, ज़िला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास डॉ. पदम देव शर्मा, ज़िला कार्यक्रम अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. गगन दीप, उप निदेशक उच्च शिक्षा गोपाल चंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उपरोजगार कार्यालय इंदौरा में सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर पदों हेतु 16 जून को होंगे साक्षात्कार

इंदौरा (दिनेश धीमान) परोजगार कार्यालय इंदौरा के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस सम्बंध में क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सिस इंडिया लिमिटेड, हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर के पुरुषों के कुल 180 पदों भरे जाने हैं। इन पदों के लिए 16 जून, 2026 को उपरोजगार कार्यालय इंदौरा में साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं पास निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 19 से 40 वर्ष के बीच रखी गई है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 18 हजार से 24 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा, जो पद और योग्यता के अनुसार निर्धारित होगा।

क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी ने बताया कि अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय दो पासपोर्ट साइज फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बायोडाटा की प्रति तथा अनुभव प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रात: 11:00 बजे साक्षात्कार स्थल पर उपस्थित होना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि साक्षात्कार में भाग लेने से पहले अभ्यर्थियों को विभागीय वेबसाइट https://eemis.hp.nic.in पर अपनी ई-मेल आईडी या मोबाइल नंबर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। ऑनलाइन आवेदन के बिना किसी भी अभ्यर्थी को साक्षात्कार में शामिल नहीं किया जाएगा। साक्षात्कार से संबंधित संपूर्ण विवरण विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 85580-62252 पर संपर्क कर सकते हैं।

रोजगार विभाग ने योग्य युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना के तहत बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

अब ई-टैक्सी खरीदने पर मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी, 16 जून तक ऑनलाइन करें आवेदन

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बिलासपुर विपिन गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना के अंतर्गत प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को ई-टैक्सी खरीदने पर रोजगार हासिल करने का एक सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिला के ऐसे स्थायी बेरोजगार युवा जिनकी आयु 25 से 45 वर्ष के मध्य है ऐसे युवाओं को ई-टैक्सी खरीदने पर सरकार 50 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान कर रही है। इच्छुक आवदेनकर्ता ऑनलाईन माध्यम से आगामी 16 जून से पहले आवेदन कर सकते है।

उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदनकर्ता के पास हिमाचल का स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, 10वीं पास तथा वैध कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सात वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। यदि आवेदनकर्ता 10वीं पास नहीं है तो वैध कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस का अनुभव दस वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही उम्मीदवार का नाम रोजगार कार्यालय में कम से कम एक वर्ष से पंजीकृत होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आवेदनकर्ता की वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये से कम होनी चाहिए तथा आय प्रमाण पत्र सम्बन्धित राजस्व विभाग से प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि इच्छुक पात्र आवेदनकर्ता परिवहन विभाग के पोर्टल https://eta&ihpdt.org/home पर पूर्ण दस्तावेजों सहित ऑनलाईन आवेदन आगामी 16 जून से पहले कर सकते है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

राष्ट्रीय लोक दल के प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक से मुलाकात कर स्ट्रीट वेंडरों की समस्याएं उठाईं

चंडीगढ़, 9 जून (पुनीत महाजन) – राष्ट्रीय लोक दल, चंडीगढ़ प्रदेश इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल आज पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक महामहिम गुलाब चंद कटारिया से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ की विभिन्न जनसमस्याओं, विशेष रूप से स्ट्रीट वेंडरों को आ रही परेशानियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रीय लोक दल, चंडीगढ़ प्रदेश के अध्यक्ष बी.एस. पाठक ने किया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष ललित भाटिया, प्रदेश उपाध्यक्ष राममिलन गौड़, प्रदेश महामंत्री डॉ. विकास धवन तथा उत्तर प्रदेश वेलफेयर एसोसिएशन, चंडीगढ़ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने स्ट्रीट वेंडरों के समक्ष उत्पन्न हो रही समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन से उनके समाधान की मांग की। महामहिम राज्यपाल एवं प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं का समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन वेंडरों द्वारा निर्धारित शुल्क नियमित रूप से जमा किया जा रहा है और जिनके पास शुल्क जमा करने की रसीद उपलब्ध है, यदि उनका सामान किसी भी प्रकार से हटाया या जब्त किया जाता है तो वे इसकी शिकायत प्रशासन को दें, जिस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

महामहिम ने यह भी आश्वासन दिया कि स्ट्रीट वेंडरों का सर्वेक्षण शीघ्र कराया जाएगा ताकि उनकी वास्तविक संख्या और आवश्यकताओं का आकलन कर उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने वेंडरों की समस्याओं के समाधान हेतु चंडीगढ़ प्रशासन के साथ-साथ मोहाली प्रशासन को भी मांग-पत्र सौंपा। राष्ट्रीय लोक दल के नेताओं ने उम्मीद जताई कि प्रशासन शीघ्र सकारात्मक कदम उठाकर स्ट्रीट वेंडरों को राहत प्रदान करेगा।

गांजा सप्लाई मामले में सीआईए-1 पुलिस द्वारा सप्लायर काबू, 3 दिन पुलिस रिमांड हासिल।

कैथल, 09 जून (कृष्ण गर्ग)- एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार नशा तस्करों की जड़ मूल तक पहुंचकर नशा सप्लाई करने वालों पर शिकंजा कसते हुए सीआईए-1 पुलिस प्रभारी एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में के एएसआई रघुबीर सिंह की टीम द्वारा गांजा सप्लायर आरोपी गांव रकशेरा जिला पानीपत निवासी काला को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 18 मई को सीआईए-1 पुलिस के एएसआई गुरदान सिंह की टीम द्वारा कैथल पूंडरी रोड़ गांव मुंदड़ी सिरसा ब्रांच नहर पुल पर नाकाबंदी दौरान बाइक पर सवार आरोपी कण्डेला जिला शामली यूपी निवासी प्रवीन कुमार व सलारपुर जिला करनाल निवासी कुलविंद्र सिंह उर्फ कर्ण को 22 किलोग्राम गांजा फूल पत्ती सहित काबु किया गया था।

आरोपियों के खिलाफ थाना पूंडरी में मामला दर्ज करके आगामी जांच एएसआई रघुबीर सिंह द्वारा अमल में लाई गई। आगामी जांच दौरान खुलासा हुआ कि दोनो आरोपियों को यह गांजा फुल पत्ती आरोपी काला उपरोक्त द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी। आरोपी का न्यायालय से व्यापक पूछताछ के लिए 3 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रांगण में 13 मई को किया जाएगा जॉब फेयर का आयोजन

कुरुक्षेत्र 9 जून (बृज मोहन) राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने कहा कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में व्यवसाय सिविगं टैक्नोलॉजी, कोपा, ड्राफ्ट्समैन सिविल तथा मैकेनिकल, एसओटी, ड्रेस मेकिंग, फैशन टेक्नोलॉजी तथा फिटर, वेल्डर, टर्नर इलेक्ट्रॉनिक इलेक्ट्रीशियन, पेंटर, पीपीओ, मशीनिस्ट इन्सटुमेंट मैकेनिक से आईटीआई पास आउट,अपीयर छात्र व छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थाई रोजगार मुहैया करवाने के लिए 13 मई 2026 को जॉब फेयर का आयोजन करवाया जा रहा है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महिला कुरुक्षेत्र के प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सभी आईटीआई पास अपीयर छात्र, छात्राओं को शिक्षुता व स्थाई जॉब हेतु व्यवसाय अनुसार लेने के लिए भारत की मल्टीनेशनल कम्पनी यूएनओ मिंडा लिमिटेड बहादुरगढ़ की टीम द्वारा कैम्पस इंटरव्यू के लिए 13 मई 2026 को सुबह 9 बजे सस्थान में आ रही हैं। इस कंपनी में शिक्षुता का स्टाइपेंड रेगुलर जॉब की सैलरी 18 हजार रुपए प्रति महीना के साथ ओवर टाईम की सुविधा भी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस कंपनी में ड्रैस कैंटीन व बस की सुविधाएं, मुफ्त इलाज, भविष्य निधि फंड, पेंशन योजना बोनस एवं ग्रेच्युटी भी दी जाएगी। इस कैम्पस इंटरव्यू से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रधानाचार्य राकेश कुमार के मोबाइल नंबर 9896337615 तथा प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज जसवंत राय के मोबाईल नंबर 9416657560 पर सम्पर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री ने पंचकूला में राज्य स्तरीय सशक्त पंचायत समारोह में विभिन्न योजनाओं के तहत 2,697 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की

गांवों के समग्र विकास और नशामुक्त हरियाणा के निर्माण में सरपंचों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण - मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
09 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने ग्रामीणों को बड़ी राहत देते हुए ऐलान किया है कि जो परिवार गांव की शामलात भूमि पर पिछले 20 वर्षो से मकान बनाकर रह रहे है, ऐसे परिवार मालिकाना हक के लिए नियमानुसार अब 16 जनवरी 2027 तक अपने आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों से वर्ष 2004 की कलेक्टर दर की डेढ़ गुणा के अनुसार भूमि खरीद की राशि जमा करवाई जाएगी। दस्तावेजी कठिनाइयों के कारण कई पात्र लोग आवेदन नहीं कर सके थे, ऐसे में सरकार ने उन्हें राहत दी है। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि ग्रामीण क्षेत्र में कचरा प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली, चालक और कचरा संग्रहण कर्मी उपलब्ध करवाए जाएंगे। यह ट्रैक्टर ई-वी होंगे। इसके अलावा वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं पर भी सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पंचकूला के इंद्रधनुष आडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय सशक्त पंचायत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 17 जिलों के 179 गांवों की फिरनियों पर एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन भी किया, जिन पर 23 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत आई है। साथ ही 17 जिलों में 44 करोड़ रुपये की लागत से बनी 350 अटल लाइब्रेरियों का भी लोकार्पण किया। उन्होंने ग्राम विकास के लिए पंचायती राज संस्थाओं को विकास कार्यों हेतु 1 हजार 56 करोड़ 75 लाख रुपये सीधे उनके खातों में भी ट्रांसफर किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जागृत ग्राम पुरस्कारों के तहत प्रदेश की 6 ग्राम पंचायतों को विकास, स्वच्छता और सुशासन के नए मानदंड स्थापित करने के लिए सम्मानित किया तथा उन्हें 1 करोड़ 66 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। इन पंचायतों में फतेहाबाद जिला की गांव जांडली कलां की ग्राम पंचायत को 51 लाख रुपये, चरखीदादरी के गांव झिंझर की पंचायत को 31 लाख रुपये, अंबाला के साहा की पंचायत को 21 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार द्वितीय श्रेणी में फतेहाबाद जिला के गांव जल्लोपुर की पंचायत को 31 लाख रुपये, गांव गदली को 21 लाख रुपये तथा करनाल के मर्दानहेड़ी गांव की ग्राम पंचायत को 11 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। उन्होंने इस दौरान कुरुक्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व पर आधारित 'धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र' पुस्तक का विमोचन भी किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत की असली शक्ति हमेशा गांवों और पंचायतों में है तथा पंच परमेश्वर की परंपरा ने देश में लोकतंत्र को जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में गांवों को विकास का भागीदार बनाने की दिशा में लगातार ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं और आज इसी श्रृंखला में विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 2,697 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गांव को योजना का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि विकास का पहला केंद्र मानने की सोच दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के कारण लाभ अब अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है तथा सेवा, सुशासन और जन-कल्याण का नया अध्याय लिखा गया है। उन्होंने कहा कि मिडल ईस्ट में जो परिस्थितियां बनी, उन चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन बचाने का आह्वान किया, इसके साथ ही ऐसी रणनीति बनाई है जिससे हम इस समस्या से पार-पा सके। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 का जिक्र करते हुए कहा कि वो दौर भी अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने इस वैश्विक संकट का सफलतापूर्वक सामना किया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और लोगों का शासन व्यवस्था पर विश्वास लगातार मजबूत हुआ है।

योजनाओं की किस्त भी जारी की

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम के दौरान हर महीने डीबीटी के जरिए दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं की किस्त भी रिमोट का बटन दबाकर जारी की। इस दौरान उन्होंने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत माताओं-बहनों को 8वीं किस्त के रूप में 207 करोड़ 75 लाख रुपये जारी किए। इसी प्रकार, हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 19 करोड़ 75 लाख रुपये डाले गए। सामाजिक सुरक्षा पेंशनों के लाभार्थियों को 1 हजार 151 करोड़ 51 लाख रुपये सीधे उनके खातों में हस्तांतरित किए गए। इसके अलावा ओ.बी.सी. और डी.एन.टी. वर्गों के विद्यार्थियों को 23 करोड़ 17 लाख रुपये की छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। दयालु योजना के तहत 169 करोड़ 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई।

बिना पर्ची-खर्ची के रोजगार से बढ़ा युवाओं का विश्वास : मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले नौकरी प्राप्त करने के लिए सिफारिश और पैसे की आवश्यकता समझी जाती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त किया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग 3,000 से अधिक युवाओं का चयन पूर्णत: पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से हुआ है तथा किसी भी अभ्यर्थी को कोई पैसा नहीं देना पड़ा। दूसरी भर्ती पर पीएमटी चल रहा है। आने वाले समय में 5,600 युवाओं की भर्ती हरियाणा पुलिस में की जाएगी, जबकि लगभग 8,500 अभ्यर्थियों की परीक्षा संपन्न हो चुकी है और उसका परिणाम शीघ्र घोषित किया जाएगा। इससे युवाओं में यह विश्वास पैदा हुआ है कि अब योग्यता के आधार पर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

2036 ओलंपिक को रखें टारगेट, नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में पंचायतों से मांगा सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने सरपंचों से आह्वान किया कि वे अपने गांवों को नशामुक्त बनाने का संकल्प लें और नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मानस पोर्टल' पर कोई भी व्यक्ति नशे से संबंधित जानकारी दे सकता है तथा सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। यदि किसी स्तर पर पुलिस कर्मियों की मिलीभगत की जानकारी मिलती है तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ गांवों के सरपंचों ने यह संकल्प लिया है कि उनके गांव में न तो कोई व्यक्ति नशा करेगा और न ही कोई नशा बेचेगा।

ऐसे प्रयास पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि पंचायतों को खेल सामग्री की आवश्यकता होगी तो खेल विभाग आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

विकसित गांव की पहचान नशामुक्ति, स्वच्छता और जल संरक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति करने के लिए पूरा समय है, लेकिन चुने जाने के बाद पांच वर्षों तक गांव के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विकसित गांव की पहचान नशामुक्त वातावरण, स्वच्छता, पर्याप्त पेयजल उपलब्धता और पर्यावरण संरक्षण से होती है। उन्होंने सरपंचों से पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरूक करने का आह्वान किया और कहा कि सरकार इस दिशा में विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं चला रही है।

गरीब परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने में निभाएं सक्रिय भूमिका

मुख्यमंत्री ने सरपंचों से कहा कि वे अपने गांवों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की पहचान करें ताकि उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि पात्र परिवारों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे उनका बिजली बिल शून्य के करीब पहुंच सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यदि किसी गरीब परिवार को आवास की आवश्यकता है तो उसकी जानकारी ग्राम पंचायत सरकार तक पहुंचाएं, ताकि उसे आवास योजना का लाभ मिल सके।

सशक्त पंचायतें ही मजबूत लोकतंत्र और समृद्ध गांवों की आधारशिला हैं

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गांवों की समस्याओं का समाधान करना केवल सरकार की ही नहीं बल्कि पंचायत प्रतिनिधियों की भी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कई ऐसे कार्य हैं जिन्हें बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय सहायता के भी जनभागीदारी के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। गांवों को विकास का केंद्र बनाने के लिए सरपंचों की सक्रिय भूमिका अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य में 98 प्रतिशत से अधिक गांव ओ.डी.एफ. प्लस बन चुके हैं और 2 अक्टूबर 2026 तक सभी गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल गांव बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2,100 से अधिक अमृत सरोवर बनाए जा चुके हैं। सरकार ने ग्राम पंचायत द्वारा विकास कार्य कराने की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 21 लाख रुपये की। इसके साथ ही पंचायत कार्यों और न्यायिक मामलों के लिए पंच-सरपंचों को HCS अधिकारी तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट के बराबर टी.ए.-डी.ए. दिया जाता है। पंचायतों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए स्टाम्प ड्यूटी में हिस्सेदारी और बिजली खपत पर लगने वाली 2 प्रतिशत दर सीधे पंचायत खातों में दी जा रही है।

महापौर सौरभ जोशी को मिल रही धमकियों के खिलाफ बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने जताया समर्थन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
09 जून (पुनीत महाजन)

निहंग फकीर सिंह जी की आठवीं पीढ़ी के वंशज बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने आज चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी से मुलाकात कर उन्हें अपना पूर्ण समर्थन एवं एकजुटता का भरोसा दिया। हाल ही में महापौर को कथित तौर पर कट्टरपंथी एवं खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा दी जा रही धमकियों के संदर्भ में यह मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान बाबा हरजीत सिंह ने महापौर को लगातार मिल रही धमकियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे भारत के माननीय गृह मंत्री तथा पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक से आग्रह करेंगे कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए महापौर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और राष्ट्रीय एकता के लिए कार्य करने वाले लोगों को पर्याप्त सुरक्षा मिलनी चाहिए।

बाबा हरजीत सिंह ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा संचालित मामले में सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून के खिलाफ गवाह के रूप में महापौर सौरभ जोशी द्वारा दिखाई जा रही दृढ़ता और साहस की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पंजाब और चंडीगढ़ की शांति, भाईचारे और सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करने वाली राष्ट्रविरोधी एवं कट्टरपंथी ताकतों को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने दोहराया कि गुरु की फौज देश की एकता, शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए कार्य करने वाले सभी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं की शिक्षाएं अन्याय के खिलाफ साहसपूर्वक खड़े होने और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देती हैं। महापौर सौरभ जोशी ने बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर द्वारा दिए गए समर्थन और आशीर्वाद के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की धमकी या दबाव उन्हें चंडीगढ़ के लोगों की सेवा करने तथा देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए कार्य करने से नहीं रोक सकता।

बैठक का समापन सामाजिक सद्भाव को और मजबूत करने, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने तथा चंडीगढ़ और उसके नागरिकों के कल्याण एवं प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर टीबी उन्मूलन के प्रति चलाया गया जागरूकता अभियान

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
09 जून (बृज मोहन)

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिला रेडक्रास सोसायटी की ओर से टीबी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। अनाज मंडी और सलारपुर रोड स्थित झुग्गी-बस्तियों में लोगों को टीबी से बचाव की जानकारी दी गई। इसके साथ ही ब्रह्मसरोवर पर भी साधुओं और सन्निहित सरोवर पर श्रमिकों को टीबी बचाव के प्रति जागरूक किया गया। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी और राज्य महासचिव डॉ. सुनील कुमार के निर्देशानुसार टीबी कोऑर्डिनेटर अंजलि की अगुवाई में लोगों को क्षय रोग के प्रति बचाव और नियमित रूप से दवाई व चेकअप की जानकारी दी गई। जिला रेडक्रास सोसायटी के कार्यकारी सचिव रमेश चौधरी ने बताया कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निर्देशानुसार टीबी

उन्मूलन अभियान के तहत स्लम बस्तियों, गांवों और श्रमिकों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सुरक्षित समाज के लक्ष्य को लेकर रेडक्रॉस द्वारा टीबी बचाव के प्रति लोगों को अवगत कराया जा रहा है। सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया गया जा रहा है और ग्राम पंचायतें भी टीबी उन्मूलन में भागीदार हैं, क्योंकि टीबी को हराने के लिए सभी के साझे प्रयास जरूरी हैं। रेडक्रॉस टीबी कोऑर्डिनेटर अंजलि ने बताया कि रेडक्रास की ओर से ड्राप आउट क्षय रोगियों का इलाज शुरू करने के साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों को पौष्टिक आहार किट भी वितरित की जा रही हैं। टीबी स्क्रीनिंग कैंपों के जरिये टीबी रोगियों की पहचान की जा रही है। निक्षय मित्र बनकर टीबी के मरीजों को गोद लेने के लिए सामाजिक संस्थाओं और ग्राम पंचायतों को भी अपील की जा रही है। इसके साथ ही रेडक्रास वालंटियर की ओर से गांवों में भी आमजन को जागरूक किया जा रहा है और बचाव सामग्री भी वितरित की जा रही हैं। सरकार की ओर से टीबी जागरूकता को लेकर जो कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं, उनमें भी रेडक्रास सोसायटी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। इस अवसर पर वालंटियर जोगेंद्र, राहुल, रानी और आरती प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

खादी एवं ग्रामोद्योग को सशक्त बनाने के लिए यूटी गेस्ट हाउस में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
09 जून (पुनीत महाजन)

खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के उद्देश्य से आज चंडीगढ़ यूटी गेस्ट हाउस में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के चेयरमैन सरदार दीदार सिंह ने की।

बैठक में खादी एवं ग्रामोद्योग के विकास, स्वरोजगार के अवसरों के विस्तार, कारीगरों एवं उद्यमियों के हितों की रक्षा तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन सरदार दीदार सिंह ने कहा कि खादी केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी सोच और ग्रामीण विकास की सशक्त पहचान है। उन्होंने अधिकारियों एवं बोर्ड सदस्यों को निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक कारीगरों, बुनकरों और ग्रामीण उद्यमियों तक पहुंचाया जाए, ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके और रोजगार के नए अवसर सृजित हों। इस अवसर पर सदस्य सचिव प्रद्युमन सिंह,

एचसीएस ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बोर्ड की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रहा है तथा इस क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में खादी उत्पादों के प्रचार-प्रसार, ग्रामीण उद्योगों को प्रोत्साहन, नए उद्यमों की स्थापना तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बोर्ड के सदस्यों ने खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र को नई दिशा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए। बैठक में बोर्ड सदस्य पवन शर्मा, लीलाधर स्वामी, कुलबीर सिंह सहित अन्य गणमान्य सदस्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार के अवसरों को बढ़ाने तथा ग्रामीण विकास को गति देने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग को अधिक प्रभावी, जनहितकारी एवं रोजगारोन्मुख बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर सहमति बनी, जो आने वाले समय में ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान करेंगे।

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस : जागरूकता और शीघ्र निदान से ब्रेन ट्यूमर के उपचार परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है : विशेषज्ञ

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस के अवसर पर, मैक्स अस्पताल, मोहाली ने ब्रेन ट्यूमर के शुरुआती लक्षणों को पहचानने और समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए एक वार्ता का आयोजन किया। इस अवसर पर, अस्पताल के विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि जागरूकता और शीघ्र निदान से रोगियों के उपचार परिणामों और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

न्यूरोसर्जरी सलाहकार-मैक्स अस्पताल, डॉ सचिन बिंदल ने कहा, ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है और इसके लक्षण अक्सर सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के साथ भ्रमित हो जाते हैं। लगातार सिरदर्द, दौरे, दृष्टि में परिवर्तन, संतुलन संबंधी समस्याएं, अंगों में कमजोरी, बोलने में कठिनाई और अस्पष्ट व्यवहारिक परिवर्तन को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ये किसी न्यूरोलॉजिकल कंडीशन का संकेत हो सकते हैं। डॉ सचिन ने आगे कहा कि कई मरीज लक्षणों को तनाव या थकान के कारण मानकर अनदेखा कर देते हैं।

हालांकि, लगातार न्यूरोलॉजिकल संबंधी लक्षणों के लिए चिकित्सकीय जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रेन ट्यूमर का शीघ्र निदान समय पर उपचार संभव बनाता है और इससे रोगी के स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। डॉ सचिन ने आगे कहा कि न्यूरोसर्जरी, इमेजिंग तकनीकों और बहु-विषयक उपचार पद्धतियों में हुई प्रगति ने ब्रेन ट्यूमर के प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव ला दिए हैं, जिससे सुरक्षित प्रक्रियाएं संभव हो पाई हैं और रोगियों के ठीक होने की संभावनाएं भी बेहतर हुई हैं।

आज का
संपादकीय

मानवता सबसे बड़ा धर्म

आदर्श भारती

मानवता सबसे बड़ा धर्म हैं द्यमानव को कर्म करते रहना चाहिए, फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। मानव को ऐसे अच्छे कर्म करने चाहिए ताकि समाज युगों-युगों तक याद रख सके। अच्छाई व सच्चाई अमर हो जाती है।सादगी में रहना चाहिए, एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।* मानव जीवन मिलना बहुत ही कठिन है, इसलिए बुरे कर्म मत करो, अच्छे कर्म करते रहिए। जीवन सार्थक हो जाएगा।अपना-अपना भाग्य है कहीं कोई रोटी को तरसता है तो कहीं खाना नालियों में फेंका जाता है। किसी के पास अकूत संपत्ति है तो कोई एक-एक पैसे को तरस रहा है। वक्त बदलते देर नहीं लगती।भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर। इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।सुख-दु:ख जीवन की धूप-छाँव है। दुनिया में कोई भी इंसान सुखी नहीं है। सुख-दु:ख जीवन में आते-जाते रहते हैं। आज सुख है, कल को दु:ख भी झेलना पड़ सकता है। ईश्वर को सुख-दु:ख में बराबर याद रखना चाहिए ताकि एक संतुलन बना रहे।

सुखी वही मानव है जो सुख-दु:ख में अपने को ढाल लेता है, क्योंकि जिंदगी में कई परिस्थितियाँ बनती रहती हैं। जिसने परिस्थिति को संभाल लिया वही विजेता है। सुख-दु:ख सदा नहीं रहता।

आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए, क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाए तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दु:ख देता है।

गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए। अगर गरीब की बद्दुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है। इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए। मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इंसान के रूप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए। आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर 'ऊपर का खाता' खाली है। इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान-पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते हैं कि एकता में बड़ा बल होता है। प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है, तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है?

मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गारंटी तय करता है, मगर उसकी अपनी कोई गारंटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएँ। फितरती मानव रात-दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है, मगर किसके लिए? आज तक कोई उठाकर नहीं ले गया। तो फिर यह मोह-माया क्यों है?

मानव को नीच कर्मों को छोड़ देना चाहिए, अच्छे कर्म करने चाहिए। मानव जीवन एक बार ही मिलता है, बार-बार नहीं मिलता। प्रकृति से ऊपर कोई नहीं है।

मानव को एक-दूसरे के सुख-दु:ख में शामिल होना चाहिए। कभी भी किसी इंसान को छोटा नहीं समझना चाहिए। वक्त बदलते देर नहीं लगती, राजा से रंक बनने में एक पल नहीं लगता।

आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते हैं कि धरती पर चल रहे मानव को कीड़े-मकोड़े समझते हैं। आज कारें तो छोटे से छोटे लोगों ने रखी हैं। कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता। समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की रौनक फीकी पड़ जाती है।

मानव को हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए, किसी से विश्वासघात नहीं करना चाहिए। सुख-दु:ख में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। मतलबी नहीं बनना चाहिए। मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ है।

अहंकार से दूर रहना चाहिए, संस्कारों को अपनाना चाहिए। बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए। किसी गरीब को दु:ख नहीं देना चाहिए। अपनों से चालाकियाँ नहीं करनी चाहिए। मुसीबत में अपने ही काम आते हैं, यही सत्य है।

करुणा : एक प्रेरणा

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

पहाड़ की गोद में एक छोटी सी बस्ती है। सड़क वहीं खत्म हो जाती है, आगे सिर्फ पैदल रास्ते हैं। सर्दियों में बर्फ इतनी गिरती है कि हफ्तों तक लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाते। चूल्हे की आग ही जीवन बचाती है और उम्मीद भी। 1998 की एक सर्द रात को इसी बस्ती की एक टूटी-फूटी झोपड़ी में एक बच्ची ने जन्म लिया। माँ-बाप ने नाम रखा करुणा। नाम छोटा था, पर अर्थ बड़ा था। शायद उसी दिन तय हो गया था कि यह बच्ची दूसरों के दर्द को समझेगी।

करुणा का घर गरीब था। पिता गणेश सिंह जंगल से लकड़ी काटकर हाट में बेचते थे। दिन भर कुल्हाड़ी चलाते, पीठ पर लकड़ी का गट्ठर लादते और शाम को दस-बीस रुपये लेकर लौटते। माँ पार्वती दूसरों के घर बर्तन मांजती थीं और खेतों में मजदूरी करती थीं। दोनों का एक ही सपना था कि बच्चे भूखे न सोएं। घर में चूल्हा तभी जलता था जब दिन भर की कमाई में आटा आ पाता था। कई रातें ऐसी गुजरीं जब करुणा भूखे पेट सो गई और माँ ने पानी पिलाकर उसे सुलाया। पार्वती कहती थीं, बेटी, बड़े होकर तुम पढ़-लिख लेना, ताकि हमें बूढ़े होने पर किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े।

जब करुणा पाँच साल की हुई तो गाँव में पहला सरकारी स्कूल खुला। मिट्टी की दीवारें, टीन की छत और एक ब्लैकबोर्ड। टीचर हफ्ते में दो दिन आते थे, बाकी दिन स्कूल बंद रहता था। स्कूल करुणा के घर से सात किलोमीटर दूर था। उसके पास जूते नहीं थे। बर्फीले पानी में नंगे पैर चलकर जाती थी। पैरों में चीरे पड़ जाते थे, पर वह रोती नहीं थी। लौटते-लौटते पैर सुन्न पड़ जाते थे और उंगलियाँ नीली हो जाती थीं। घर आकर माँ को बताती थी कि आज दीदी ने उसे 'अ' सिखाया और उसने पूरी कॉपी लिखी।

गाँव वाले गणेश से कहते थे कि लड़की को क्यों पढ़ा रहा है। ब्याह कर दे, चार बकरियाँ मिल जाएंगी। खेती में हाथ बंटाएगी। बुढ़ापे में काम आएगी। गणेश चुप रहता था। वह खुद अनपढ़ था, पर उसने बेटी की आँखों में वह चमक देख ली थी जो उसे चैन से नहीं बैठने देती थी। रात को जब करुणा लालटेन की लौ पर बैठकर अक्षर दोहराती थी, तो गणेश बाहर बैठकर चुपचाप सुनता रहता था। कभी-कभी आँखें भर आती थीं। वह सोचता था कि काश मैं भी पढ़ा होता।

करुणा पढ़ने में तेज थी। जो एक बार सुन लेती थी, भूलती नहीं थी। किताबें नहीं थीं तो दोस्तों की फटी कॉपी माँगकर नकल करती थी। स्याही खत्म हो जाती थी तो कोयले से लिखती थी। रात को हवा से लालटेन बुझ जाती थी तो अँधेरे में ही सो जाती थी। माँ कहती थी, सो जा बेटी, कल फिर मजदूरी करनी है। शरीर टूट जाएगा। करुणा जवाब देती थी, माँ अगर मैं पढ़ लूँगी तो तुझे किसी के घर बर्तन नहीं मांजने पड़ेंगे। मैं कमाकर तुझे साड़ी लाऊँगी।

2014 में दसवीं का रिजल्ट आया। पूरे विकासखंड में करुणा ने टॉप किया। 92 प्रतिशत अंक। गाँव में जश्न था, पर उससे ज्यादा आश्चर्य था। लोग कहने लगे कि लड़की ने कर दिखाया। स्कूल के हेडमास्टर ने कहा कि यह लड़की बड़े शहर जाएगी, यहाँ नहीं रुकेगी। करुणा ने कहा, सर जाऊँगी तो जरूर, पर वापस भी आऊँगी। मैं वादा करती हूँ।

स्कॉलरशिप मिली तो करुणा अल्मोड़ा के गर्ल्स इंटर कॉलेज पहुँची। यह पहली बार था जब उसने बस देखी थी, पहली बार जब वह शहर गई थी। होस्टल की फीस के पैसे नहीं थे। पिता ने दो बकरियाँ बेच दीं और माँ ने अपने चाँदी के कड़े गिरवी रख दिए। जाते वक्त माँ ने कहा, बेटी तू पढ़। हम जैसे-तैसे काट लेंगे। अगर गिर भी जाए तो लौट आना, घर तेरा इंतजार करेगा।

शहर में सब कुछ नया था। अंग्रेजी नहीं आती थी, इसलिए बच्चे हँसते थे। उसे पहाड़न कहकर चिढ़ाते थे। करुणा चुपचाप लाइब्रेरी में बैठकर शब्दकोश घोंटती थी। रात-रात भर अंग्रेजी के शब्द याद करती थी। पहले साल फेल होने का डर सताता रहा। दूसरे साल उसने जिले में तीसरा स्थान पाया। प्रोफेसर ने कहा कि तुममें जिद है, यही तुम्हें आगे ले जाएगी।

ग्रेजुएशन के बाद करुणा ने बीएड करने का मन बनाया। फीस पैंतालीस हजार थी। पिता के पास इतने पैसे नहीं थे। करुणा ने ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। सुबह पाँच बजे उठकर खुद पढ़ती थी, सात से नौ बजे तक छोटे बच्चों को पढ़ाती थी। दिन में कॉलेज जाती थी और शाम को फिर ट्यूशन। रात ग्यारह बजे होटल में बर्तन धोने जाती थी। इसके बदले पचास रुपये रोज मिलते थे। हाथ छिल जाते थे, कमर दुखती थी, पर उसने हार नहीं मानी।

एक दिन होटल के मालिक ने कहा, पढ़ाई छोड़ दे बेटी। यहीं काम कर ले। महीने के आठ हजार मिलेंगे। शादी कर लेना, आराम से रहेगी। करुणा ने कहा, अंकल अगर आज मैं रुक गई तो मेरी जैसी हजारों लड़कियाँ रुक जाएंगी। मैं रुक नहीं सकती। मुझे वापस जाना है।

2019 में बीएड पूरा हुआ। कैंपस प्लेसमेंट में देहरादून के एक प्राइवेट स्कूल ने तीस हजार महीने की नौकरी ऑफर की। करुणा के लिए यह सपना था। एसी क्लासरूम, स्मार्ट बोर्ड, बच्चों के पास टिफिन। पर उसी हफ्ते उसे गाँव से खबर मिली कि प्राइमरी स्कूल में एक ही टीचर है और सौ बीस बच्चे हैं। तीसरी कक्षा के बच्चे 'क' नहीं लिख पाते थे। लड़कियों को बारह साल होते ही घर बिठा दिया जाता था।

करुणा रात भर सो नहीं पाई। आँखों में गाँव के बच्चों के चेहरे घूमते रहे। सुबह पिता को फोन किया और कहा कि वह वापस आ रही है। पिता ने कहा, पागल है क्या, तीस हजार छोड़ रही है। यहाँ क्या मिलेगा, अठारह हजार और वह भी समय पर नहीं। करुणा ने कहा, पिताजी पैसे कमाऊँगी तो सिर्फ मेरा घर बदलेगा। अगर मैं वापस गई तो शायद पूरा गाँव बदल जाए। एक बार मौका दीजिए।

2020 में करुणा ने गाँव के सरकारी स्कूल में ज्वाइन किया। तनख्वाह अठारह हजार थी। स्कूल की हालत देखकर वह रो पड़ी। छत टपकती थी, बेंच टूटी थीं, किताबें नहीं थीं और शौचालय नहीं था। बरसात में बच्चे भीग जाते थे। पहले महीने की तनख्वाह से उसने चालीस स्लेट और चॉक खरीदे। दूसरे महीने से लड़कियों के लिए सेनेटरी पैड मंगवाने शुरू किए। खुद ब्लॉक ऑफिस के चक्कर लगाए और फंड के लिए आवेदन लिखा।

शुरू में बच्चे डरते थे। पूछते थे कि दी मारेंगी क्या। करुणा हँसकर कहती थी कि वह मारती नहीं, समझाती है। गलत करोगे तो समझाऊँगी और सही करोगे तो शाबाशी दूँगी। यहाँ कोई छोटा-बड़ा नहीं है, सब बराबर हैं। धीरे-धीरे बच्चे खुलने लगे। जो बच्चे पहले कोने में बैठते थे, अब सवाल पूछने लगे।

जिन लड़कियों को दस साल की उम्र में घर का काम करने बिठा दिया गया था, वे अब स्कूल आने लगीं। करुणा घर-घर जाकर माँ-बाप को समझाती थी कि बेटी पढ़ेगी तो कल को तुम्हारा सहारा बनेगी। नहीं पढ़ेगी तो फिर वही सात किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा और वही मजदूरी करनी पड़ेगी। एक पीढ़ी और बर्बाद हो जाएगी। कुछ लोग मान गए, कुछ ने कहा कि लड़की पढ़कर करेगी क्या। करुणा ने कहा कि वह डॉक्टर बनेगी, टीचर बनेगी और आपके लिए दवा लाएगी। कोरोना आया तो स्कूल बंद हो गए। करुणा ने हार नहीं मानी। वह पहाड़ की हर गली में जाकर बच्चों को पढ़ाने लगी। पेड़ के नीचे, खेत की मेड़ पर, जहाँ जगह मिलती थी वहीं क्लास लगती थी। मोबाइल नहीं था तो खुद नोट्स लिखकर देती थी। बर्फ में भी तीन किलोमीटर चलकर एक बच्चे के घर जाती थी क्योंकि उसकी माँ बीमार थी। बच्चे कहते थे, दीदी आप न आतीं तो हम भूल जाते।

2022 में शिक्षा विभाग ने उसका काम देखा और स्कूल को स्मार्ट क्लास मिली। करुणा ने खुद यूट्यूब से वीडियो डाउनलोड करके बच्चों को दिखाना शुरू किया। विज्ञान के प्रयोग अब किताबों में नहीं, आँगन में होने लगे। बच्चों ने खुद सोलर लैंप बनाया और वाटर फिल्टर बनाया। मेलों में उनके प्रोजेक्ट को पुरस्कार मिला।

2023 में उसने पढ़ो बेटी बढ़ो बेटी अभियान शुरू किया। हर महीने पंचायत में बैठक बुलाती थी। लड़कियों के अभिभावकों को बुलाकर कहती थी कि आज जो बेटी स्कूल नहीं जाएगी, कल वह अपनी बेटी को भी नहीं भेज पाएगी। यह सिलसिला तोड़ना है। धीरे-धीरे बदलाव दिखने लगा। ड्रॉपआउट रेट साठ प्रतिशत से घटकर पंद्रह प्रतिशत हो गया। लड़कियों के चेहरे पर आत्मविश्वास लौट आया।

2024 का रिजल्ट आया तो सब हैरान रह गए। बारह बच्चे मेरिट में आए। एक लड़की सीमा ने नीट क्रैक किया। सीमा के पिता मजदूर हैं और माँ घरों में काम करती है। जब रिजल्ट आया तो सीमा की माँ करुणा के पैर छूकर रोने लगी। बोली कि दी तुमने मेरी बेटी को डॉक्टर बना दिया। अब गाँव में कोई नहीं कहेगा कि लड़की से कुछ नहीं होता। करुणा ने कहा कि उसने कुछ नहीं किया। सीमा ने खुद मेहनत की। वह तो बस रास्ता दिखाने वाली थी। अब सीमा खुद रास्ता बनाएगी। आज करुणा की बस्ती का स्कूल मॉडल स्कूल बन चुका है। दूर-दूर से लोग देखने आते हैं कि कैसे एक लड़की ने बिना संसाधन के सब बदल दिया। राज्य सरकार ने स्कूल को पाँच लाख का अनुदान दिया। अब यहाँ कंप्यूटर लैब है, लाइब्रेरी है और खेल का मैदान है। बच्चे अब अंग्रेजी में बात करते हैं और विज्ञान के प्रयोग खुद करते हैं।

करुणा अब भी फर्श पर बैठकर पढ़ाती है। कहती है कि कुर्सी पर बैठूँगी तो बच्चों से दूर हो जाऊँगी। मैं उनके बराबर बैठूँगी तभी वे खुलकर पूछेंगे। उसकी तनख्वाह अब अट्ठाईस हजार है। पर वह खुद पुराने कपड़े पहनती है। पैसा बचाकर गरीब बच्चों की फीस भरती है। दिवाली पर खुद मिठाई बनाकर बच्चों को बाँटती है। त्योहार पर स्कूल में मेला लगता है और बच्चे नाटक करते हैं।

एक दिन मैंने उससे पूछा कि करुणा थकती नहीं हो। रोज बारह घंटे स्कूल, घर-घर जाना, मीटिंग करना। वह हँसी और बोली कि सर जब कोई बच्चा आकर कहता है दी मैं डॉक्टर बनूँगा, तो सारी थकान उतर जाती है। मेरे पिता कहते थे कि गरीबी अभिशाप है। मैं कहती हूँ कि गरीबी हालात बदल सकती है, हौसला नहीं। अगर दिल में करुणा हो तो रास्ता खुद बन जाता है।

पंचायत ने करुणा को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। अब आसपास के दस गाँवों से लोग सलाह लेने आते हैं। लड़कियों के लिए वह दी है, माँ-बाप के लिए उम्मीद है और पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा है। लोग कहते हैं कि करुणा आने से पहले यहाँ अँधेरा था। अब उम्मीद की लौ जली है।

उस दिन जब करुणा खुद टीचर बन गई, तभी उसका नाम सार्थक हो गया। उसने साबित कर दिया कि गरीबी रोक सकती है, सपने नहीं। हालात कितने भी कठिन हों, अगर इरादा पक्का हो तो पहाड़ भी रास्ता दे देता है।

आज उसकी कक्षा में एक सौ चालीस बच्चे हैं। सत्तर लड़कियाँ हैं। हर बच्चा कहता है कि वह बड़ा होकर दीदी जैसा बनेगा। यही करुणा की सबसे बड़ी जीत है। शिक्षा ने उसे नौकरी नहीं दी, उसने शिक्षा को नौकरी से बड़ा बना दिया। उसने किताबें नहीं पढ़ाईं, उसने बच्चों को हौसला पढ़ाया।

करुणा एक प्रेरणा बन गईं, जब उसने हार न मानकर कोशिश की और मेहनत की इबारत लिखी।

अब करुणा सिर्फ एक नाम नहीं रही। वह उन हजारों लड़कियों की कहानी बन गई है जो अँधेरे में बैठकर भी रोशनी का सपना देखती हैं।

पाक अधिकृत कश्मीर में बढ़ता जनाक्रोश और पाकिस्तान की विफल नीतियां

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जनता का असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी, बुनियादी सुविधाओं की कमी और सरकार की वादाखिलाफी से परेशान लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। हाल के दिनों में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा बल प्रयोग और गोलीबारी की घटनाओं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कई लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की खबरों ने पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

पीओके के नागरिक लंबे समय से बेहतर जीवन सुविधाओं, सस्ती बिजली, रोजगार और विकास की मांग कर रहे हैं। पिछले वर्षों में पाकिस्तान सरकार ने कई समझौतों और घोषणाओं के माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अधिकांश वादे कागजों तक ही सीमित रहे। नतीजतन, लोगों का सरकार पर भरोसा लगातार कमजोर होता गया और आज यह असंतोष बड़े जनआंदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान ने अपने नियंत्रण वाले इस क्षेत्र को कभी भी प्राथमिकता नहीं दी। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद यहां के लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधारभूत ढांचा उपलब्ध नहीं कराया गया। जल, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी लोगों को संघर्ष करना पड़ता है। यही कारण है कि स्थानीय नागरिक अब अपने अधिकारों और बेहतर जीवन की मांग को लेकर खुलकर आवाज उठा रहे हैं।

विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने पाकिस्तान सरकार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की मांगों को संवाद के माध्यम से सुलझाने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन जब असहमति को बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया जाता है, तो स्थिति और अधिक विस्फोटक बन जाती है। पीओके में भी यही होता दिखाई दे रहा है। गिरफ्तारियों और प्रतिबंधों के बावजूद लोगों का गुस्सा कम होने के बजाय बढ़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस मुद्दे ने ध्यान आकर्षित करना शुरू किया है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों और कुछ विदेशी जनप्रतिनिधियों ने वहां की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। हालांकि, वैश्विक शक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रतिक्रिया अभी भी अपेक्षित स्तर पर नहीं दिख रही। मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करने वाले देशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे ऐसे मामलों पर निष्पक्ष और स्पष्ट रुख अपनाएं। यदि कहीं भी नागरिक अधिकारों का हनन होता है तो उस पर समान रूप से चिंता जताई जानी चाहिए।

भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर उसका अभिन्न हिस्सा है। ऐसे में वहां के हालात पर भारत की नजर स्वाभाविक है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वहां की वास्तविक स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे और यह बताए कि क्षेत्र के लोग किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। साथ ही, मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता को भी प्रमुखता से उठाया जाना चाहिए।

पीओके में उभरता जनाक्रोश केवल आर्थिक संकट का परिणाम नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही उपेक्षा, विकास की कमी और राजनीतिक असंतोष का भी प्रतीक है। यदि पाकिस्तान सरकार समय रहते जनता की समस्याओं का समाधान नहीं करती और संवाद का रास्ता नहीं अपनाती, तो स्थिति और अधिक जटिल हो सकती है। किसी भी क्षेत्र की स्थिरता और विकास का आधार वहां के लोगों का विश्वास होता है, और जब यही विश्वास कमजोर पड़ने लगे तो शासन व्यवस्था के लिए यह गंभीर चेतावनी बन जाती है। आज पीओके की परिस्थितियां इसी चेतावनी की ओर संकेत कर रही हैं।

पानी : जीवन का अमृत और विनाश का तांडव

मोती राम चौहान
करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

पृथ्वी पर जल ही एक ऐसा तत्व है जो जीवन की उत्पत्ति का कारण बना और आज भी हर जीवित प्राणी का अस्तित्व इसी पर टिका है। लेकिन यही पानी जब अपना विकराल रूप धारण करता है, तो विनाश की ऐसी कहानी लिखता है जिसे मिटाने में दशकों लग जाते हैं। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन (Climate Change) और मानवीय हस्तक्षेप ने पानी के इन दोनों रूपों- जीवनदाता और जीवनहर्ता-के बीच के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

आइए आंकड़ों और वैज्ञानिक तथ्यों के आईने में पानी के इस दोहरे चरित्र को विस्तार से समझते हैं।

1. जीवन का आधार : पानी के बिना सृष्टि की कल्पना असंभव

वैज्ञानिक कहते हैं कि जल ही जीवन है, और यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। पृथ्वी का लगभग 71% हिस्सा पानी से ढका है, और मानव शरीर में भी लगभग 60% जल होता है।

जैव-विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र

- **वैश्विक निर्भरता :** दुनिया की 50% से अधिक प्रजातियाँ पानी के भीतर (महासागरों, नदियों, झीलों) निवास करती हैं।
- **कृषि का स्तंभ :** वैश्विक स्तर पर, कुल ताजे पानी (Freshwater) का लगभग 70% हिस्सा कृषि में उपयोग होता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में तो यह आंकड़ा 80-85% तक पहुंच जाता है।
- **आर्थिक रीढ़ :** वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का एक बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर पानी से जुड़े उद्योगों जैसे-मत्स्य पालन, नौवहन, ऊर्जा उत्पादन (पनबिजली) और विनिर्माण पर निर्भर है।

वैश्विक जल

पानी जीवन का आधार तो है, लेकिन इसकी उपलब्धता को लेकर आंकड़े बेहद डराने वाले हैं:

पृथ्वी पर मौजूद कुल पानी का केवल 2.5% ही मीठा (पीने योग्य) पानी है। इसका भी दो-तिहाई हिस्सा ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों में जमा है।

नीति आयोग (NITI Aayog) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। देश के 21 बड़े शहरों में भूजल (Groundwater) का स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 4 अरब लोग वर्ष में कम से कम एक महीना पानी की गंभीर किल्लत का सामना करते हैं।

2. तबाही का कारक : जब पानी बनता है काल

जल का दूसरा रूप अत्यंत विनाशकारी है। बाढ़, सुनामी, चक्रवात और ग्लेशियरों का पिघलना जैसी आपदाएं इस बात का प्रमाण हैं कि पानी जब अपनी सीमाओं को लांघता है, तो भारी तबाही मचाता है।

क) जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में मूसलाधार बारिश और अचानक आने वाली बाढ़ (Flash Floods) की घटनाएं बढ़ी हैं।

वैश्विक आंकड़े : क्रेड और संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो दशकों में आईं प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ की हिस्सेदारी लगभग 43त्न रही है, जिससे अरबों लोग प्रभावित हुए हैं।

आर्थिक और मानवीय नुकसान : विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के मुताबिक, 1970 से 2021 के बीच जल-संबंधित आपदाओं के कारण दुनिया भर में 20 लाख से अधिक मौतें हुईं और 4.3 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

ख) सूखा : पानी की अनुपस्थिति का तांडव

पानी की अधिकता ही नहीं, बल्कि इसकी कमी भी तबाही का एक रूप है। पानी का न होना अकाल और भुखमरी को जन्म देता है।

संयुक्त राष्ट्र की ड्रॉट इन नंबर्स रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक दुनिया की 75% से अधिक आबादी सूखे से प्रभावित हो सकती है।

सूखे के कारण उपजाऊ जमीन रेगिस्तान में बदल रही है जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

ग) जल जनित बीमारियां (Water-borne Diseases)

दूषित पानी भी तबाही का एक मूक कारक है। शुद्ध पेयजल न मिलने के कारण हर साल लाखों लोग अपनी जान गंवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के आंकड़ों के अनुसार, असुरक्षित पानी, स्वच्छता की कमी और खराब साफ-सफाई के कारण हर साल दुनिया भर में लगभग 14 लाख लोग (जिनमें बड़ी संख्या बच्चों की है) डायरिया और जैसी बीमारियों से दम तोड़ देते हैं।

3. विरोधाभास और संतुलन की आवश्यकता

नीचे दी गई तालिका पानी के इस दोहरे प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती है :

आयाम जीवन का आधार (सकारात्मक पक्ष) तबाही का कारक (नकारात्मक पक्ष)

मानव स्वास्थ्य शरीर के संचालन, पाचन और कोशिकाओं के निर्माण के लिए आवश्यक। दूषित होने पर महामारी (हैजा, टाइफाइड) का कारण।

प्रकृति/मौसम मानसून लाता है, तापमान को नियंत्रित रखता है और हरियाली बढ़ाता है। चक्रवात, बादल फटना और सुनामी जैसी आपदाएं लाता है।

अर्थव्यवस्था उद्योगों, बिजली उत्पादन और खेती का मुख्य स्रोत। बाढ़ और सूखे के कारण अरबों डॉलर की फसलों और बुनियादी ढांचे को नष्ट करता है।

निष्कर्ष : आगे की राह

-रहमान पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
-पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून॥

-संत रहीम का यह दोहा आज के संदर्भ में और भी सटीक बैठता है। पानी प्रकृति का सबसे अनमोल उपहार है, लेकिन यदि हमने इसके स्रोतों का दोहन बंद नहीं किया और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना जारी रखा, तो यही पानी विनाश का सबसे बड़ा हथियार बन जाएगा। ग्लोबल वार्मिंग को कम करना, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बनाना, नदियों को आपस में जोड़ना और बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों को आधुनिक बनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। पानी को तबाही का कारक बनने से रोकने का एकमात्र उपाय यह है कि हम प्रकृति के नियमों का सम्मान करें और जल का संरक्षण एक जिम्मेदारी समझकर करें।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पट्टा में बीडीसी अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव स्थगित, पहले दिन नहीं पहुंचा एक भी सदस्य, निर्वाचन के लिए दूसरी बैठक 15 जून को

पट्टा मेहलोग, 9 जून (तारा) – पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 79 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 85 के तहत पंचायत समिति पट्टा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए पीठासीन अधिकारी एवं उपमंडलाधिकारी बद्दी,

डॉ. संजीव धीमान की अध्यक्षता में मंगलवार प्रात: 11ः00 बजे एक बैठक पट्टा मेहलोग स्थित आईटीआई भवन में आयोजित की गई।

बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह ने बताया कि बैठक के लिए निर्धारित समय पर कार्यवाही आरम्भ की गई, किन्तु किसी भी पंचायत समिति सदस्य की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। नियमों के अनुसार पीठासीन अधिकारी द्वारा सदस्यों की उपस्थिति हेतु दो घंटे तक प्रतीक्षा की गई। इसके बावजूद कोई सदस्य बैठक में उपस्थित नहीं हुआ, जिसके फलस्वरूप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन की कार्यवाही संपन्न नहीं हो सकी तथा बैठक को स्थगित करना पड़ा।

पट्टा पंचायत समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के निर्वाचन के लिए दूसरी बैठक दिनांक 15 जून को प्रात: 11ः00 बजे आयोजित की जाएगी।

बीडीओ द्वारा सभी पंचायत समिति सदस्यों से अपेक्षा की गई है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपना सहयोग प्रदान करें।

हिमाचली युवाओं को विदेश में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

संयुक्त अरब अमीरात में जनरल/फैक्ट्री हेल्पर की होगी भर्ती, 12 जून तक करें ऑनलाइन पंजीकरण

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम) जिला रोजगार अधिकारी बिलासपुर राजेश मेहता ने बताया कि हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एच.पी.एस.ई.डी.सी.) के माध्यम से प्रदेश के 10वीं पास युवाओं को विदेश में रोजगार का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की किंगसटन होल्डिंग कंपनी में जनरल हेल्पर/फैक्ट्री हेल्पर के विभिन्न पद भरे जा रहे है तथा चयनित अभ्यार्थियों की नियुक्ति दुबई में की जाएगी। इन पदों के इच्छुक आवदेनकर्ता 12 जून तक ऑनलाइन माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते है।

उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए आवेदक की शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है। साथ ही आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष के मध्य तथा अंग्रेजी भाषा का सामान्य ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि चयनित उम्मीदवारों को 1375 एईडी मासिक वेतन दिया जाएगा, जिसमें ओवरटाईम भी शामिल है। इसके अतिरिक्त कंपनी द्वारा आवास सुविधा, चिकित्सा भत्ता तथा प्रत्येक दो वर्ष में हवाई टिकट भी प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि बिना वैध पासपोर्ट वाले उम्मीदवारों को भर्ती में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। चयनित उम्मीदवारों को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के दिशा निर्देशानुसार 30 हजार रुपये सेवा शुल्क सहित 18 प्रतिशत जीएसटी तथा चिकित्सा शुल्क के रूप में 15 सौ रुपये देने होंगे।

इस बारे अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर के दूरभाष नम्बर 01978-222450 पर किसी भी कार्य दिवस को संपर्क किया जा सकता है।

सलमान भोगपुर ने जीता छमकडी का दंगल

पट्टा मेहलोग, 9 जून (तारा) – विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत गोयला के तहत माया पूरी धाम छमकड़ी में विशाल दंगल का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के इलावा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली के बड़े पहलवानों ने भाग लिया।

दंगल समिति के प्रबंधक सलाहकार लायक़ राम ठाकुर ने बताया कि दंगल का शुभारंभ मायापुरी धाम के बाबा पुरनानंद पूरी महाराज व क्षेत्र के समाजसेवी बिधी चंद राणा ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता गुरमेल चौधरी, ग्राम पंचायत गोयला की प्रधान निर्मला देवी, उप प्रधान गुरदेव वर्मा, बीडीसी सदस्य प्रियंका ठाकुर, ग्राम पंचायत ढकरियाणा के उपप्रधान ज्ञानचंद शर्मा ने दंगल में शिरकत कर इसकी शोभा बढ़ाई। दंगल में अनेक छोटी व बड़ी कुश्तियां विभिन्न पहलवानों द्वारा लड़ी गई। अंत में बड़ी माली का फाइनल सलमान भोगपुर व चमन बाबा फलाई के बीच हुआ।

इसमें सलमान भोगपुर को विजेता घोषित किया गया। छोटी माली विजय चंडीगढ़ और रॉबिन भोगपुर के बीच में हुई जिसमें विजय पहलवान चंडीगढ़ ने बाजी मारी। मेले में इस वर्ष बाल कुश्ती भी करवाई गई। बच्चों की माली में पीयूष छमकड़ी और साहिल धर्मपुर के बीच में मुकाबला हुआ और इसमें साहिल धर्मपुर विजयी रहे।

बिधी चंद राणा ने रुपये 6100, गुरमेल चौधरी ने 5100, प्रधान ग्राम पंचायत गोयला निर्मला देवी ने ?2100, उप प्रधान गुरदेव वर्मा ने 6100 व बीडीसी मेंबर प्रियंका ठाकुर ने 2100 रुपये बेहतर दंगल आयोजन करने हेतु समिति को प्रदान किये। प्रबंधक समिति की ओर से सभी विजेता उप उप विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर दंगल समिति के सचिव रविंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष रामलाल ठाकुर, सलाहकार लायक राम ठाकुर, शेर सिंह जीतराम, श्याम लाल, श्यामलाल, मदन, बृजलाल, धर्म सिंह, देवी दत्त व संजय कुमार ने दंगल आयोजन में अपना भरपूर योगदान दिया।

टांडा मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभाग में ताला लटकाना कौन-सा व्यवस्था परिवर्तन : जयराम ठाकुर

कहा, मुख्यमंत्री लोगों की जान से कर रहे खिलवाड़, सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं बंद कर निजी अस्पतालों में इलाज करवाने को कर रहे मजबूर

» प्रथम न्यूज । एएम नाथ
09 जून (मंडी)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार की कार्यप्रणाली पर जमकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज, टांडा में हृदय रोग विभाग में ताला लटकाने को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बड़ी आबादी के मरीजों के दिल का इलाज करने वाले हृदय रोग विभाग को सरकार ने बंद कर दिया। हृदय रोग विभाग को बंद करने का जो तरीका मुख्यमंत्री ने अपनाया है, वही आज के दौर में उनका व्यवस्था परिवर्तन है। किसी व्यवस्था या सुविधा को बंद करने से पहले मुख्यमंत्री इसी तरह के हथकंडे अपनाते हैं। अस्पताल से सुविधा छीन लो, डॉक्टर का तबादला कर दो, अस्पताल स्वत: बंद हो जाएगा। मेडिकल कॉलेज के विभागों में सभी डॉक्टरों का तबादला कर दो, लोग कुछ दिन भटकते रहेंगे, इसके बाद अस्पताल आना ही छोड़ देंगे और वह विभाग अपने आप बंद हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हृदय रोग विभाग लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। हृदय रोग की बीमारियों में कई बार तत्काल इलाज मिलना ही जीवन बचा पाता है। देरी का मतलब बहुत बड़ा नुकसान है। लेकिन सरकार ने टांडा मेडिकल कॉलेज के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष को स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक का विशेष कार्याधिकारी बना दिया। यहां भी व्यवस्था परिवर्तन की एक झलक नजर आती है। इस नियुक्ति में भी सारे नियम-कायदे और प्रोटोकॉल ताक पर रख दिए गए। मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभाग में डॉक्टर न होने की वजह से इलाज करवाने पहुंचे लोगों को किस तरह की असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, मुख्यमंत्री को इसकी खबर भी होनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि टांडा मेडिकल कॉलेज में प्रदेश भर के लोग इलाज करवाने पहुंचते थे। सरकारी अस्पताल होने के नाते वहां बेहतर और सस्ता इलाज लोगों को मिल सकता था। लेकिन हृदय रोग विभाग के एक डॉक्टर को मेडिकल लीव, दूसरे डॉक्टर को विदेशी फैलोशिप और तीसरे डॉक्टर को विशेष कार्याधिकारी बनाकर मुख्यमंत्री ने उस विभाग को ही बंद कर दिया। अब अपने परिजनों को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचने वाले लोगों के पास इलाज के लिए क्या विकल्प बचा है? लोगों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूरन महंगे निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ेगा। इलाज के नाम पर पहले ही मंगलसूत्र और जेवर गिरवी रखवा चुकी सुक्खू सरकार प्रदेश के लोगों को प्रताड़ित करने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। सरकारी अस्पतालों में मिल रही सुविधाओं को बंद करके मुख्यमंत्री आखिर किसका भला करना चाहते हैं? सिर्फ स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्वस्तरीय बताने से स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर नहीं बन सकती। इसके लिए अच्छी नीयत के साथ काम करने की जरूरत है, जो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्यप्रणाली में कहीं नजर नहीं आती।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इसी तरह मुख्यमंत्री ने हिम केयर योजना को भी पूरी तरह से तहस-नहस किया है। पहले झूठे आरोप लगाकर योजना को बदनाम किया गया। फिर योजना में हास्यास्पद बदलाव किए गए। मरीजों को मिल रहे खाने तक में कटौती की गई। मातृशक्ति के ऑपरेशन में 5400 रुपये की वसूली शुरू की गई। हाल ही में आए नियमों से तो हिम केयर के पवित्र उद्देश्य को ही खत्म करने की कोशिश की गई। अब मुख्यमंत्री का नया फरमान है कि हिम केयर के तहत पंजीकरण शुल्क, बेड शुल्क, नर्सिंग एवं बोर्डिंग शुल्क, सर्जन, एनेस्थेटिस्ट और चिकित्सकों की फीस, एनेस्थीसिया, रक्त चढ़ाने, ऑक्सीजन, ऑपरेशन थिएटर शुल्क, सर्जिकल उपकरणों की लागत, दवाइयों, एक्स-रे, एमआरआई, सीटी स्कैन सहित पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी जांच के खर्च का क्लेम भी हिम केयर में शामिल नहीं किया जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि मरीजों को हिम केयर के तहत आखिर मिलेगा क्या?

उन्होंने कहा कि हिम केयर को प्रभावहीन करने के बाद सरकार अब मेडिकल कॉलेजों के विभागों को निशाना बना रही है। मुख्यमंत्री पहले भी कमला नेहरू अस्पताल की शिफ्टिंग का तुगलकी फरमान जारी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री से आग्रह है कि वह लोगों की जान से खिलवाड़ करना बंद करें।

जयराम ठाकुर ने नरेंद्र मोदी को सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री के पद पर सेवा करने हेतु दी बधाई

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश की जनता के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, उनकी कार्यशैली और विकासोन्मुखी नीतियों पर अटूट विश्वास का प्रतीक है। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक नई पहचान बनाई है तथा सुशासन, विकास, गरीब कल्याण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का कार्य किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को नई गति मिलेगी और देश निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

सराज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से की शिष्टाचार भेंट, दीं शुभकामनाएं

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से मंगलवार को उनके गृह विधानसभा क्षेत्र सराज की ग्राम पंचायत चिऊणी और ख़बलेच की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों ने विशेष भेंट की। इसके साथ ही पंडोह में सराज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत थाची, खोलनाल, कशौड एवं कुकलाह के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने भी उनसे शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान जयराम ठाकुर ने सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके नवीन दायित्वों के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन करते हुए अटूट विश्वास जताया कि सभी जनप्रनिधि पूर्ण समर्पण, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ काम करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान करते हुए और विकास कार्यों को गति देते हुए अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे और क्षेत्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण व सकारात्मक योगदान देंगे।

ग्रीष्मोत्सव के तीसरे दिन बेबी शो व माई डॉग शो का होगा आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
09 जून (बी.शर्मा)

08 से 12 जून 2026 तक आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के तीसरे दिन सांस्कृतिक संध्या सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा जिसके तहत कल प्रात: 10 बजे रानी झांसी पार्क में हेल्थी बेबी शो का आयोजन किया जाएगा। प्रथम विजेता को 25 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को 20 हजार व तीसरा स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी को 15 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा पुलिस सहायता कक्ष के समीप माई चैंपियन-डॉग शो का भी आयोजन किया जाएगा जिसके विजेता को 25 हजार, उप विजेता को 20 हजार व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 15 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा नगर निगम ग्राउंड संजौली में चल रही वॉलीबॉल प्रतियोगिता के अन्य मैच प्रात: 11 बजे विभिन्न जिलों से आई टीमों के मध्य खेले जाएंगे।

श्यामला मंथन व मुशायरा कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

महोत्सव के तहत शिमला के गेयटी थिएटर में श्यामला मंथन का आयोजन किया जाएगा और अंग्रेजी व हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को क्रमश: 51 हजार, 31 हजार व 21 हजार रुपए की राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसके उपरांत 02 बजे गेयटी थिएटर में मुशायरा कवि सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें प्रदेश के शायर अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान शिमला के गेयटी थिएटर में रंग मंच उत्सव के तहत मन के भंवर नाटक का मंचन होगा।

कल सायं 04 बजे रिपोर्टिंग रूम के सामने जुम्बा नृत्य का प्रदर्शन विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा किया जाएगा। इसके उपरांत 06 बजे फन अट्रैक्शन में विभिन्न करैक्टर व स्टेच्यू मैन तथा फ्लावर शो का भी आयोजन होगा। इसके अतिरिक्त, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में माध्यम से विभिन्न राज्यों के कलाकार पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुनों के साथ लोगों और पर्यटकों का मनोरंजन करेंगे।

इसके अलावा सांस्कृतिक संध्या का आगाज मुख्य मंच पर सायं 04 बजे से आरंभ कर दिया जाएगा और इसके साथ ही कलाकारों की प्रस्तुतियां शुरू हो जायेंगी। तृतीय सांस्कृतिक संध्या हिमाचल के कलाकारों के नाम रहेगी जिसमें हिमाचल के मशहूर कलाकार सांस्कृतिक संध्या का समा बांधेंगे। अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डिसी शिमला के फेसबुक पेज पर उपलब्ध होगा।

रोहित ठाकुर होंगे मुख्य अतिथि, नाटी किंग कुलदीप शर्मा होंगे स्टार कलाकार

10 जून को सांस्कृतिक संध्या में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। तृतीय सांस्कृतिक संध्या में मशहूर पहाड़ी गायक नाटी किंग कुलदीप शर्मा स्टार कलाकार होंगे।

नगर पंचायत शाहतलाई में फिर लहराया भगवा परचम, नंदलाल शर्मा अध्यक्ष और सुनीता देवी उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
09 जून (जितेंद्र गौतम)

नगर पंचायत शाहतलाई में एक बार फिर से भगवा परचम लहराया है। बिलासपुर जिला की इस इकलौती नगर पंचायत में नवनिर्वाचित कुल 7 में से 5 सदस्य भाजपा समर्थित हैं। गौरतलब है कि अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने बिना किसी अड़चन के बाजी मार ली। अध्यक्ष पद पर नंदलाल शर्मा तथा उपाध्यक्ष पद पर सुनीता देवी निर्विरोध चुने गए। जीत की हैट्रिक बनने के उपलक्ष्य में सभी नवनिर्वाचित पार्षदों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं ने झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल की अगुवाई में नगर पंचायत कार्यालय से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस तक पदयात्रा निकाली। इस दौरान नगर पंचायत के चुनावों में सहयोग व समर्थन के लिए लोगों का आभार जताया गया।

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीतराम कटवाल ने कहा कि नगर पंचायत शाहतलाई में लगातार तीसरी बार भगवा परचम लहराना भाजपा के प्रति लोगों के अटूट विश्वास का प्रमाण है। यह जीत किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि शाहतलाई की जनता, पार्टी के समर्पित व निष्ठावान कार्यकर्ताओं की मेहनत तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे विकास व राष्ट्र निर्माण के संकल्प की जीत है। मोदी सरकार विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए अवसर, किसानों का उत्थान और आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण इसकी मजबूत नींव हैं। भाजपा का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि विकास का उजाला समाज में अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों तक पहुंचाना है।

जीतराम कटवाल ने कहा कि शाहतलाई समेत पूरे झंडूता विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पुल, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के अभूतपूर्व काम हुए हैं। दुख इस बात का है कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को आगे बढ़ाना तो दूर, पहले से मिल रही सुविधाएं भी लोगों से छीन रही है। भाजपा की सरकार के समय प्रदेश में जनहित में खोले गए हजारों संस्थान बंद कर दिए गए। इन संस्थानों पर तालाबंदी की वजह से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों को अत्याधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के हितों के साथ किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बंद किए गए संस्थानों तथा कार्यालयों की बहाली के लिए लगातार संघर्ष किया जाएगा। कांग्रेस सरकार को मनमाने और जनविरोधी फैसलों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के नेतृत्व में बाबा बालक नाथ की नगरी के रूप में प्रसिद्ध शाहतलाई में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ काम किया जाएगा।

झाड़माजरी स्थित उद्योग में भीषण अग्निकांड, करोड़ों की संपत्ति राख

दमकल विभाग ने बचाई दो करोड़ की संपत्ति

» प्रथम न्यूज । बद्दी
09 जून (तारा)

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के तहत झाड़माजरी में मंगलवार तड़के एक उद्योग में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ। आग की सूचना सुबह 4ः09 बजे अग्निशमन विभाग को प्राप्त हुई, जिसके तुरंत बाद विभाग की टीम 4ः10 बजे घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। मात्र 8 मिनट के रिस्पॉन्स टाइम के साथ दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

अग्निशमन विभाग के अनुसार यह इंडस्ट्री फायर का मामला था। आग बुझाने के लिए विभाग की 5 दमकल गाड़ियां और 15 अग्निशमन कर्मी मौके पर तैनात किए गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया गया।

कंपनी के जीएम नीरज त्यागी ने बताया कि आगजनी की इस घटना में उद्योग में स्थापित ऑटोमेटिक पॉलिशिंग मशीन, ऑटोमेटिक प्लेटिंग प्लांट, मैन्युअल प्लेटिंग प्लांट, लेजर मशीन, तीन पैड प्रिंटिंग मशीनें, दो टेस्टिंग इक्विपमेंट, वॉल मिक्सर मशीन सहित उद्योग में रखा भारी मात्रा में रॉ मटेरियल और तैयार माल पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार उद्योग को करीब 5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

अग्निशमन विभाग के फायर ऑफिसर हेम राज ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और कई घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग को आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में लगभग 50 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान दर्ज किया गया है, जबकि विभाग की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई से करीब 2 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति को सुरक्षित बचा लिया गया।

गनीमत रही कि इस अग्निकांड में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

स्थानीय प्रशासन और उद्योग प्रबंधन द्वारा नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र के अन्य उद्योगों को भी अग्नि सुरक्षा उपायों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

महिला टी20 विश्वकप का आगाज 12 जून से

महिला क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंटों में से एक आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। इंग्लैंड और वेल्स की मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की 12 सर्वश्रेष्ठ टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। 24 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन का फाइनल पांच जुलाई को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच एजबेस्टन में खेला जाएगा। वहीं भारतीय फैंस की नजरें 14 जून पर टिकी होंगी, जब भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी।

ग्रुप्स पर एक नजर

ग्रुप-1 : भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड
ग्रुप-2 : इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड

भारत-पाकिस्तान मैच पर रहेंगी सबकी निगाहें

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा से रोमांच और दबाव से भरा रहा है।

ऐसे में टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में ही यह टक्कर क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं होगी।

भारत को ग्रुप चरण में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों से भी भिड़ना है, जिससे उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता आसान नहीं रहने वाला।

टूर्नामेंट की खास बातें

- 12 टीमें लेंगी हिस्सा
- कुल 33 मुकाबले खेले जाएंगे
- पांच ट्रिपल हेडर और पांच डबल हेडर होंगे
- नीदरलैंड पहली बार महिला टी20 विश्व कप में खेलेगा
- फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में आयोजित होगा
- भारत-पाकिस्तान मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में होगा

महिला क्रिकेट के इतिहास में यह सबसे प्रतिस्पर्धी टी20 विश्व कप माना जा रहा है। भारत की नजर पहली बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीतने पर होगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपनी बादशाहत बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगा। भारत-पाकिस्तान मुकाबले से लेकर लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल तक, क्रिकेट प्रशंसकों को लगभग हर दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

FIFA वर्ल्ड कप 2026 के बीच मंडराया जहरीले सांपों का खतरा, इस टीम के खिलाड़ियों को मिली चेतावनी

फुटबॉल के सबसे बड़े महाकुंभ यानी फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले एक ऐसी हैरान करने वाली खबर सामने आई है, जिसने खेल जगत में सनसनी मचा दी है। इस बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही सभी टीमों को नहीं, बल्कि सिर्फ स्विट्जरलैंड की टीम को एक बेहद अनोखी और खौफनाक चेतावनी जारी की गई है। दरअसल, अमेरिकी धरती पर अभ्यास कर रही स्विस टीम के खिलाड़ियों पर इस वक्त दुनिया के टॉप-5 सबसे जहरीले सांपों में शुमार 'रैटलस्नेक' का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसी के चलते खिलाड़ियों को अपने ट्रेनिंग एरिया से बाहर कदम न रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

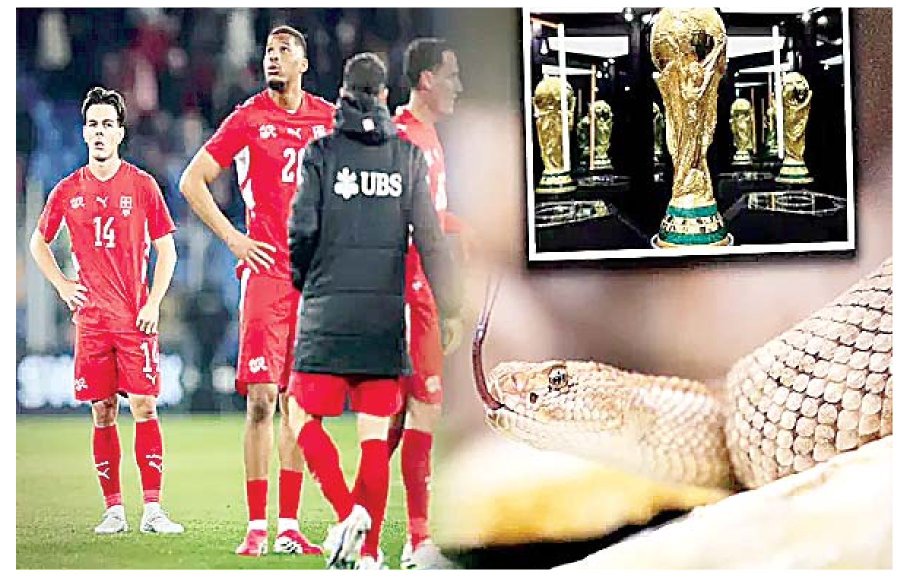

गेंद बाहर गई तो जान जोखिम में डालने की जरूरत नहीं

स्विट्जरलैंड की फुटबॉल टीम इस समय अमेरिका के सैन डियागो में अपनी अंतिम तैयारियों को धार देने में जुटी है। लेकिन परेशानी की बात यह है कि उनके ट्रेनिंग कैंप के ठीक बाहर रैटलस्नेक की चार अलग-अलग और बेहद जहरीली प्रजातियों का बसेरा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्विस फुटबॉलरों को साफ तौर पर चेताया गया है कि वे किसी भी हाल में कैंप की तय सीमा से बाहर न जाएं। अधिकारियों ने यहां तक कह दिया है कि अगर प्रैक्टिस के दौरान गलती से कोई गेंद किक लगकर बाहर झाड़ियों में चली भी जाती है, तो अपनी जान जोखिम में डालने के बजाय उस गेंद को वहीं छोड़ दें और दूसरी गेंद से अपना अभ्यास जारी रखें।

टूर्नामेंट के ग्रुप बी में अपनी किस्मत आजमाएगी स्विट्जरलैंड

अगर खेल के लिहाज से बात करें तो स्विट्जरलैंड की टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में स्विट्जरलैंड के अलावा मेजबान कनाडा, कतर और बोस्निया एंड हर्जेगोविना की टीमें शामिल हैं। फुटबॉल की दुनिया में स्विट्जरलैंड की गिनती सबसे निरंतर (कन्सिस्टेंट) प्रदर्शन करने वाली टीमों में होती है। इस टीम की सबसे बड़ी ताकत मैच की रफ्तार को अपने नियंत्रण में रखना और मैदान पर विरोधी टीम के मुकाबले बेहद कम गलतियां करना माना जाता है।

कई मायनों में बेहद ऐतिहासिक होने जा रहा है यह वर्ल्ड कप

दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों की धड़कनें बढ़ाने वाले इस फीफा वर्ल्ड कप 2026 का भव्य आगाज आगामी 12 जून से होने जा रहा है। अगले महीने की 19 तारीख तक चलने वाला यह महामुकाबला कई मायनों में इतिहास रचने के लिए तैयार है। फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब कुल 48 टीमें इसमें हिस्सा लेकर चमचमाती ट्रॉफी के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इसके साथ ही, यह भी पहली बार देखने को मिलेगा जब दुनिया के तीन बड़े देश यानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको मिलकर संयुक्त रूप से इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं।

न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम में पंजाब क्रिकेट के नायकों की तस्वीरें स्थापित, 'वॉल ऑफ फेम' में पंजाब क्रिकेट की शान खिलाड़ी शामिल

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मनहास और पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के मानद सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने मुल्लांपुर स्थित न्यू चंडीगढ़ क्रिकेट स्टेडियम में 'वॉल ऑफ फेम' के रूप में एक अनूठी पहल का शुभारंभ किया।

मीत हेयर ने बताया कि इस पहल के तहत पंजाब क्रिकेट के 33 चमकते सितारों की तस्वीरें लगाई गई हैं, जिन्होंने देश और राज्य का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों में एकदिवसीय और टी-20 विश्व कप जीतने के गौरवशाली क्षणों से जुड़ी समूह तस्वीरें भी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने अब तक तीन एकदिवसीय विश्व कप (दो पुरुष और एक महिला) तथा तीन टी-20 विश्व कप (2007, 2024 और 2026) अपने नाम किए हैं।

उन्होंने बताया कि युवराज सिंह, शुभमन गिल और हरमनप्रीत कौर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई हैं। इसके अलावा, 1992-93 सत्र में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली पंजाब क्रिकेट टीम तथा 2022-23 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी विजेता टीम के यादगार क्षणों को भी तस्वीरों के माध्यम से संजोया गया है। इन तस्वीरों में उन महिला क्रिकेटरों को भी विशेष स्थान दिया गया है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पंजाब का गौरव बढ़ाया है।

मीत हेयर ने कहा कि उन्हें पंजाब के क्रिकेटरों की उपलब्धियों पर अत्यंत गर्व है। उन्होंने कहा कि यह वॉल ऑफ फेम राज्य की समृद्ध खेल विरासत को संरक्षित रखने का एक प्रयास है, ताकि आने वाली पीढ़ियां पंजाब के खिलाड़ियों के योगदान से प्रेरणा ले सकें। उनके अनुसार, यह पहल सुनिश्चित करेगी कि देश के खेल इतिहास में पंजाब का योगदान सदैव जीवंत और स्मरणीय बना रहे।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मनहास ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे खेल इतिहास के लिए एक गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक कदम बताया।

इस अवसर पर पीसीए के संयुक्त सचिव सिद्धांत शर्मा भी उपस्थित रहे।

सुक्खू सरकार का तुगलकी फरमान दूध उत्पादक किसानों की कमर तोड़ने वाला, भाजपा चुप नहीं बैठेगी : लोकेन्द्र कुमार

दूध खरीद बंद कर किसानों की आजीविका पर हमला, अपनी नाकामी छिपाने के लिए नए-नए बहाने ढूंढ रही है सरकार

» प्रथम न्यूज । शिमला
09 जून (बी. शर्मा)

आनी विधायक लोकेन्द्र कुमार ने प्रदेश सरकार द्वारा मंगलवार को बीएमसी केंद्रों से दूध खरीद बंद करने के निर्णय को किसान विरोधी, महिला विरोधी और तुगलकी फरमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार बड़े-बड़े दावे करती है कि किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों की आय बढ़ाई जा रही है, जबकि दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि दूध उत्पादक किसानों को दो-दो महीने तक भुगतान नहीं मिल रहा है और अब सरकार दूध खरीद ही बंद करने की तैयारी में जुट गई है।

लोकेन्द्र कुमार ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण परिवारों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दूध उत्पादक किसानों के साथ इस प्रकार का अन्याय किया जा रहा है। सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं और कुप्रबंधन को छिपाने के लिए किसानों पर बोझ डाल रही है। यदि दूध उत्पादन लगातार बढ़ रहा है तो यह किसानों की मेहनत का परिणाम है, लेकिन सरकार ने इस बढ़ते उत्पादन को संभालने के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई।

उन्होंने कहा कि दत्तनगर दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र की क्षमता पूर्व भाजपा सरकार के समय 25 हजार लीटर से बढ़ाकर 50 हजार लीटर की गई थी। इसके बावजूद वर्तमान सरकार ने संयंत्र के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में स्वयं सरकार ने स्वीकार किया था कि क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग एक लाख लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। जब सरकार को यह जानकारी थी तो आखिर अतिरिक्त दूध के प्रबंधन और प्रसंस्करण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? लोकेन्द्र कुमार ने कहा कि अब अपनी नाकामी छिपाने के लिए सरकार किसानों को ही परेशान कर रही है। मंगलवार को दूध खरीद बंद करने का फैसला हजारों किसानों की मेहनत पर सीधा प्रहार है। जो दूध प्रतिदिन एकत्रित होता है, उसका नुकसान कौन भरेगा? जिन परिवारों की रोजमर्रा की आय दूध बिक्री पर निर्भर है, उनकी आर्थिक क्षति की जिम्मेदारी कौन लेगा? मुख्यमंत्री और सरकार को प्रदेश के किसानों के इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है जो गरीब, किसान, महिला और युवा विरोधी हैं। कभी संस्थान बंद किए जाते हैं, कभी विकास कार्य रोके जाते हैं और अब किसानों की आजीविका पर हमला किया जा रहा है। यह सरकार जनहित के बजाय केवल घोषणाओं और प्रचार में व्यस्त है। आनी विधायक ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, मिल्कफेड के अध्यक्ष और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए कहा कि यदि दूध उत्पादन लगातार बढ़ रहा है तो दत्तनगर मिल्क प्लांट की क्षमता बढ़ाने के लिए आज तक क्या कदम उठाए गए? आखिर किसानों को सुविधाएं देने के बजाय उन्हें परेशान करने की नीति क्यों अपनाई जा रही है? लोकेन्द्र कुमार ने प्रदेश के सभी दूध उत्पादक किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है। किसानों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा के लिए भाजपा सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। उन्होंने सभी किसान संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और जागरूक नागरिकों से भी इस अन्यायपूर्ण निर्णय के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने तुरंत इस तुगलकी आदेश को वापस नहीं लिया और किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो भाजपा प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस सरकार की होगी।

कानपुर देहात में रिकॉर्ड तोड़ एक दिन में 15 वारंटी शिवली में गिरफ्तार

कानपुर (सुनील बाजपेई)- देहात की पुलिस अधीक्षक द्वारा वांक्षित वारण्टी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना शिवली पुलिस टीम द्वारा 15 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। कानपुर देहात पुलिस के इतिहास में यह पहला मौका है जब इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर की अगुवाई में शिवली पुलिस द्वारा एक साथ 15 वारंटी गिरफ्तार किए गए हैं। मतलब 15 वारंटियों की एक साथ रिकॉर्ड गिरफ्तारी कानपुर देहात के किसी भी थाने में नहीं की गई।

शिवली के अपने अबतक के कार्यकाल में छोटी बड़ी सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करने वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल निष्पक्ष और पारदर्शी कर शैली के इंस्पेक्टर अमरीन बहादुर सिंह की अगुवाई में यह सफलता सब इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह, अजय कुमार, आनन्द कुमार पाण्डेय, नरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, श्यामलाल, सुशील कुमार कांस्टेबल रोहित कुमार, गौरव, मनीष कुमार ,नरेन्द्र सिंह, संजय और राजकुमार की टीम को मिली, जिसके द्वारा गिरफ्तार किए गए वारंटियों रामू पुत्र श्यामलाल कुशवाहा निवासी ग्राम नुनारी बहादुरपुर रामजी पुत्र महेश चन्द्र निवासी ग्राम निवासी खलकपुर बिठूर थाना शिवली को गिरफ्तार करने मेंसफलता प्राप्त की।

इसी तरह से, वीरेन्द्र उर्फ मिसिर पुत्र सहदेव कोरी निवासी ग्राम चम्पतपुर, राजेन्द्र पुत्र सहदेव कोरी निवासी ग्राम चम्पतपुर, ज्ञानू उर्फ ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र सन्त सिंह निवासी लालपुर शिवराजपुर, मो0 इस्लाम पुत्र ईशा निवासी ग्राम मैथा, राजेन्द्र पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी ग्राम मकरन्दपुर, संजय कुमार पुत्र बालकराम निवासी वार्ड न0 2 नगर पंचायत, सुशील पुत्र रामप्रसाद निवासी जवाहर नगर , ओमप्रकाश पुत्र विजय नारायण निवासी भोला निवादा , महेश चन्द्र पुत्र स्व0 सीताराम निवासी ग्राम खरकपुर बिठूर थाना दीपक पुत्र सुरेन्द्र सविता निवासी ग्राम भंगापुरवा, रामबाबू पुत्र रामविलास निवासी ग्राम बैरी वस्ता शैलेन्द्र पुत्र तेजराम निवासी ग्राम वाघपुर ,तेजराम पुत्र रामविलास निवासी वाघपुर थाना शिवली को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

मैत्री संस्था द्वारा मैत्री स्नेह - प्रोजेक्ट 58 का सफल आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
09 जून (बी. शर्मा)

मैत्री संस्था द्वारा गोद लिए गए राजकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय, चक्कर, शिमला के साथ सेवा, सहयोग एवं शिक्षा के क्षेत्र में तीन सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मैत्री स्नेह - प्रोजेक्ट 58 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रारंभिक शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश के निदेशक श्री आशीष कोहली उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को ट्रैक सूट वितरित किए गए तथा बच्चों के लिए रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी की गई।

विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु ड्रॉइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्री आशीष कोहली ने विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव (रिपेयर एवं मेंटेनेंस) के लिए 5 लाख की राशि प्रदान करने की घोषणा की। वहीं मैत्री संस्था ने बच्चों की उच्च शिक्षा एवं डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय में कंप्यूटर लैब स्थापित करने की घोषणा की, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

कार्यक्रम में विशेष रूप से बालूगंज स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा राणा, चक्कर मिडिल स्कूल के प्रधानाचार्य श्री राजन तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चक्कर के मुख्य अध्यापक श्री रजनीश सेल्टा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मैत्री संस्था की वरिष्ठम उपाध्यक्षा निशी सूद, वरिष्ठ उपाध्यक्षा उमा वर्मा, उपाध्यक्षा शशि सूद, किम्मी सूद, नीना गुप्ता, राजेश जोशी तथा कोषाध्यक्ष सुधा सूद, भारती सूद विशेष रूप से उपस्थित रहे। मैत्री संस्था की अध्यक्षा ममता गोयल ने कहा कि संस्था भविष्य में भी शिक्षा, सेवा एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में ऐसे जनहितकारी कार्य करती रहेगी। यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा समाज में शिक्षा एवं सेवा के मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

घुमारवीं की पंचायतों की समस्याओं को लेकर बीडीओ से मिला प्रतिनिधिमंडल, नालियों व सिंचाई योजनाओं की मरम्मत की उठाई मांग

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- हिमाचल प्रदेश सहकारी विकास संघ के निदेशक आशीष ठाकुर की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल खण्ड विकास अधिकारी घुमारवीं अभिषेक से मिला और उन्हें सदर विधानसभा क्षेत्र की कुहमझवाड व ननावां पंचायत से सम्बंधित समस्याओं के बारे में अवगत करवाया और ज्ञापन प्रेषित किया,इस मौके पर बीडीसी सदस्य मेहर चंद धीमान व पूर्व प्रधान रत्न सिंह वर्मा भी मौजूद रहे ।उन्होंने बताया कि कुहमझवाड पंचायत के अंतर्गत आने वाले घटटू गांव को स्वस्थ भारत मिशन के अधीन लिया जाए और गांव में नालियों का निर्माण किया जाए ताकि पानी की उचित निकासी हो सके साथ मे उन्होंने लहड़ा गांव की प्राचीन बाबड़ी की मुरमत के बारे में भी खण्ड विकास अधिकारी को अवगत करवाया उन्होंने कहा कि प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण बहुत आवश्यक है साथ लहड़ा गांव में सिंचाई के लिए बनाई गई कुहल की मुरमत के बारे में भी उन्होंने अवगत करवाया उन्होंने बताया कि लगभग 100 बीघा जमीन को कुहल बनने से फायदा होता था,कुहल टूटने की वजह से किसानों ने धान बीजने बंद कर दिए है जिससे किसानों की आर्थिकी पर विपरीत असर पड़ा है उन्होंने बताया कि मनी खड़ से जबल्याना के किसानों की फसलों को सींचने के लिए उठाऊ सिंचाई योजना बनाई गई थी यह योजना पिछले लंबे अंतराल से बंद पड़ी हुई है जगह जगह से कुहल टूट गई है उन्होंने इस कुहल की मुरमत के लिए भी खण्ड विकास अधिकारी के समक्ष मांग रखी है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे है उन्होंने किसानों से अपील की है कि प्राकृतिक खेती की ओर जाएं.

जन संकल्प समूह यात्रा ने नघियार पंचायत का किया दौरा, नव-निर्वाचित प्रधान अनु कुमारी को दी शुभकामनाएं

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
09 जून (जितेंद्र गौतम)

जन संकल्प समूह यात्रा झंडूता के अध्यक्ष एवं सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग हिमाचल प्रदेश सरकार के सेवानिवृत्त अधिशाषी अभियंता रत्न देव ने अपनी टीम सहित झंडूता विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नघियार का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत की नव-निर्वाचित प्रधान अनु कुमारी को जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

रत्न देव ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास और उम्मीद के साथ अनु कुमारी को पंचायत का नेतृत्व सौंपा है, उस विश्वास पर खरा उतरना उनका पहला दायित्व है। उन्होंने पंचायत क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर निष्पक्ष, निडर और निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया तथा योग्य एवं लोकप्रिय प्रतिनिधि का चयन किया है।

इस अवसर पर प्रधान अनु कुमारी ने पंचायत की विभिन्न समस्याओं और विकासात्मक जरूरतों से रत्नझ देव को अवगत कराया। उन्होंने पंचायत क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल आपूर्ति, गैस सुविधा तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की विस्तृत जानकारी दी। रत्न देव ने पंचायत के विकास कार्यों में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत नघियार के पूर्व प्रधान राजेंद्र शर्मा, कथा व्यास पंडित प्रमोद पुंज, कमला देवी, संतोष कुमारी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नव-निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए पंचायत के विकास में सहयोग का भरोसा जताया।

Pratham News
@dainikprathamnews
बुधवार, 10 जून 2026

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जिला पुलिस को मिले 10 नए डायल 112 राइडर वाहन, एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना,

कैथल, 09 जून (कृष्ण गर्ग) जिला कैथल में कानून व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में आम नागरिकों को त्वरित सुरक्षा मुहैया कराने की दिशा में जिला पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। डीजीपी हरियाणा ऑफिस से कैथल पुलिस को 10 नए डायल 112 राइडर वाहन प्राप्त हुए है। इन सभी डायल 112 राइडर्स को मंगलवार को एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा जिला सचिवालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर संबंधित थानों और चौकियों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान डीएसपी सुशील प्रकाश, एसपी प्रवाचक एसआई तरसेम, ओएएसआई प्रवेश, एमटीओ एएसआई रामपाल सहित अन्य पुलिस कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा की ये नए टू-व्हीलर राइडर्स जिला पुलिस की आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को धरातल पर और अधिक सुदृढ़ व गतिशील बनाने का काम करेंगे। कई बार शहर और ग्रामीण अंचलों की संकरी व तंग गलियों या भारी जाम वाले बाजारों में चार पहिया पुलिस वाहन (ERV) समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसी स्थिति में ये टू-व्हीलर राइडर्स बेहद आसानी से घटनास्थल पर कम से कम समय में पहुंच सकेंगे। इन सभी 10 नए राइडर वाहनों को मुख्य रूप से डायल-112 आपातकालीन सेवा से जोड़ा गया है। कंट्रोल रूम को कॉल मिलते ही संबंधित क्षेत्र के राइडर को तुरंत जीपीएस के जरिए लोकेशन मार्क कर रवाना किया जाएगा।

एसपी ने कहा कि इन नए वाहनों के फील्ड में उतरने से जहां एक ओर आपराधिक तत्वों और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर आमजन को समय पर पुलिस सहायता मिलने से नागरिकों के भीतर सुरक्षा के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने ऑन-ड्यूटी तैनात होने वाले पुलिस कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी, मुस्तैदी और संवेदनशीलता के साथ अपनी ड्यूटी निभाने तथा जनता के साथ शालीन व्यवहार करने के निर्देश दिए।

बिटुमेन की कमी से सड़क री-कार्पेटिंग कार्य प्रभावित, महापौर सौरभ जोशी ने दिए तत्काल समाधान के निर्देश

आपात समीक्षा बैठक आयोजित, बिटुमेन की कमी को बताया गया प्रमुख चुनौती; कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

चंडीगढ़, 9 जून (पुनीत महाजन) - शहरभर में चल रहे सड़क री-कार्पेटिंग कार्यों की प्रगति को गंभीरता से लेते हुए चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी ने आज नगर निगम चंडीगढ़ के इंजीनियरिंग विंग तथा कार्य निष्पादित कर रही एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ एक आपात समीक्षा बैठक बुलाई।

बैठक में नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा, अधीक्षण अभियंता (बी एंड आर) धर्मेंद्र शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान ठेकेदारों ने महापौर को अवगत कराया कि बाजार में बिटुमेन की उपलब्धता न होने के कारण सड़क री-कार्पेटिंग कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। बिटुमेन की कमी से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिसके चलते शहर के विभिन्न हिस्सों में चल रही कई परियोजनाओं के कार्य धीमे पड़ गए हैं।

स्थिति का गंभीर संज्ञान लेते हुए महापौर सौरभ जोशी ने अधिकारियों एवं ठेकेदारों को बिटुमेन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभावित विकल्पों की तलाश करने तथा कार्यों को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपूर्ति संबंधी समस्याएं जनता को लंबे समय तक असुविधा का कारण नहीं बननी चाहिए।

महापौर ने इंजीनियरिंग विंग को बिटुमेन की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखने तथा ठेकेदारों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि बाधाओं को दूर कर लंबित कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कार्यों की नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए, जिससे परियोजनाओं की प्रभावी निगरानी और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जा सके।

महापौर सौरभ जोशी ने कहा, बिटुमेन की कमी जैसी आपूर्ति संबंधी चुनौतियों का खामियाजा चंडीगढ़ के नागरिकों को नहीं भुगतना चाहिए। सभी संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय से कार्य करें और सड़क री-कार्पेटिंग कार्यों की गति बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करें। नागरिकों की सुविधा और गुणवत्तापूर्ण आधारभूत ढांचा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने ठेकेदारों को आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन जुटाने के भी निर्देश दिए, ताकि बिटुमेन की कमी के कारण हुए विलंब की भरपाई की जा सके और सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जा सकें।

चंडीगढ़ की सड़क अवसंरचना को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए महापौर सौरभ जोशी ने कहा कि नगर निगम चंडीगढ़ स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है तथा विकास कार्यों को समय पर पूरा करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

भविष्य की चुनौतियों और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को समझने में जागरूक समाज और विधायकों की भूमिका पर माननीयों ने की विस्तार से चर्चा

-कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (CPA) इंडिया रीज़न ज़ोन-II (नॉर्थ ज़ोन) कॉन्फ्रेंस के तकनीकी सत्र में रखे विचार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
09 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा विधानसभा द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (CPA) इंडिया रीज़न ज़ोन-II (नॉर्थ ज़ोन) कॉन्फ्रेंस के तकनीकी सत्र में कई राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष , उपाध्यक्ष से लेकर राज्यसभा के उपसभापति तक ने हिस्सा लिया। सभी वक्ताओं ने भविष्य की चुनौतियों और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को समझने में जागरूक समाज और विधायकों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की और अपने -अपने विचार रखे।

इस अवसर पर राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण एवं उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों के अध्यक्ष एवं कई विधान सभा सदस्य उपस्थित थे।

विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने सभी डेलीगेट्स का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सभी इस तकनीकी सत्र से कुछ नया अनुभव हासिल करेंगे और संकल्पबद्ध होकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र तोमर ने कहा कि हरियाणा विधानसभा द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में विचार-विमर्श से कुछ ऐसा अमृत रूपी निष्कर्ष निकलेगा जो कि विकसित भारत -2047 के विजन में मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने भारत की विविधता में एकता को देश का सौंदर्य बताते हुए कहा कि हम सब मिलकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी कारण आज भारत को विश्व के अग्रणी देशों में गिना जाता है।

श्री तोमर ने कहा कि भारत पहले भी दुनिया को दिशा देने वाला रहा है। हमारे पूर्वजों ने कठिनाइयों का सामना किया , फिर हम आजादी का महोत्सव मनाने में सफल हुए। अब शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि हमारा फर्ज बनता है कि हम भावी पीढ़ी को एक समृद्ध एवं सशक्त भारत देकर जाएँ। उन्होंने आह्वान किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 के सपने को पूरा करने के लिए सभी को आर्थिक के साथ -साथ सामाजिक एवं नागरिक जागरूक होना भी जरुरी है।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा भविष्य की चुनौतियों और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को समझने में जागरूक समाज और विधायकों की भूमिका विषय चयन की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब समाज में सामाजिक समरसता , पर्यावरण , तकनीक और संसदीय लोकतंत्र भी उन्नत होगा।

उन्होंने कहा कि एक विधायक के चुने जाने पर जनता की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती , बल्कि नीति निर्माताओं को विकासात्मक नीतियां बनाने में सहयोग भी करना होता है। उन्होंने कहा कि देश प्रथम की भावना के साथ सबको आगे बढ़ना है। उन्होंने सभी विधायकों को एआई तकनीक के ज्ञान के प्रति अपडेट रहने के लिए प्रेरित किया।

जम्मू कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष श्री अब्दुल रहीम राथर ने कहा कि आज भारत विकास के मामले में ग्लोबल लीडर की तरह आगे बढ़ रहा है , हमें इस गति को और अधिक तेज करना है ताकि देश के नागरिक समृद्ध एवं सशक्त बन सकें। उन्होंने युवा विधायकों को वर्तमान तकनीक के साथ -साथ शोध की तरफ भी ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने अपने सारगर्भित भाषण में विधायकों को इंगित करते हुए कहा कि वे चुनाव में पांच वर्ष के लिए तो चुन कर आ गए , अगली बार फिर से विधायक कैसे बनें ? यह सोचकर जनकल्याण के कार्य करने होंगे। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि अब जनता भी इकोनिमक्स की बात करने लगी है जो कि प्रगतिशील देश के लिए सकारात्मक लक्षण हैं। उन्होंने सभी जन-प्रतिनिधियों को अपनी -अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने की बात कही ताकि उनके क्षेत्र की जनता बेझिझक अपनी समस्या कह सके।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि जब सभी राज्यों का समान रूप से विकास होगा तभी पूरा देश विकसित हो पाएगा। उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस के विषय की सार्थकता तभी होगी जब सभी विधायक अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन ईमानदारी से करें।

इस अवसर पर अनेक विधायकों के अलावा नार्थ जोन राज्यों की विधानसभाओं के डेलीगेट्स भी उपस्थित थे।

समान काम के लिए समान वेतन और सिक्योर्ड पॉलिसी लागू करे प्रशासन, अन्यथा 16 जून को होगी विशाल रैली : कोऑर्डिनेशन कमेटी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
09 जून (पुनीत महाजन)

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एमसी एम्प्लाइज एंड वर्कर्स, यूटी चंडीगढ़ द्वारा आज सेक्टर-41 स्थित जायका में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में चंडीगढ़ नगर निगम एवं चंडीगढ़ प्रशासन के अधीन कार्यरत कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मियों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया तथा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए गए।

कमेटी के प्रधान सतिंदर सिंह एवं महासचिव राकेश कुमार ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं और न ही कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करने को तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन करते हैं तो प्रशासन बातचीत करने की बजाय कानून-व्यवस्था का हवाला देकर कर्मचारियों पर मामले दर्ज करता है। नेताओं ने कहा कि प्रशासन न तो श्रम कानूनों को पूरी तरह लागू कर रहा है और न ही न्यायालयों के आदेशों का पालन कर रहा है। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों के पास संघर्ष का रास्ता अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। उन्होंने राजनीतिक दलों द्वारा कर्मचारियों के मुद्दों के प्रति उदासीन रवैये पर भी चिंता व्यक्त की।

प्रेस वार्ता में कमेटी ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए समान काम के लिए समान वेतन, सुरक्षित रोजगार नीति (सिक्योर्ड पॉलिसी), समय पर वेतन भुगतान, बोनस, ईएसआई पात्रता सीमा बढ़ाने, डेली वेज कर्मचारियों को नियमित करने, रिक्त पदों पर भर्ती, पदोन्नति में पारदर्शिता, नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों की बहाली, ठेका व्यवस्था में शोषण पर रोक, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन एवं मेडिकल प्रतिपूर्ति, कैशलेस मेडिकल सुविधा, मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी तथा सफाई एवं अन्य कर्मचारियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित 16 प्रमुख मांगें उठाईं।

कमेटी ने विशेष रूप से कहा कि कॉन्ट्रैक्ट लेबर (रेगुलेशन एंड एबोलिशन) एक्ट, 1970 के तहत आउटसोर्स कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन दिया जाना चाहिए। इसके अलावा नगर निगम और प्रशासन के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को श्रम कानूनों के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम से बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है, जिससे सैकड़ों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने इस मामले में पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। कोऑर्डिनेशन कमेटी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन कर्मचारियों के साथ वार्ता शुरू नहीं करता और मांगों के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाता, तो 16 जून को यूटी कर्मचारी विशाल रैली आयोजित करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

प्रेस वार्ता में कमेटी के चेयरमैन सुरेश कुमार, कन्वीनर रघुबीर चंद, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजिंदर कुमार, बलविंदर सिंह पाबला, चीफ पैट्रन अनिल कुमार सहित विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी और कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के शस्त्र देख कर आनंदित हुए श्रद्धालु

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
09 जून (बृज मोहन)

तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा साहिब में परंपरा अनुसार शब्द कीर्तन, अरदास और आरती के बाद श्री गुरु गोबिंद जी महाराज के शस्त्रों को इतिहास के साथ दिखाया गया। इन शस्त्रों को देखकर श्रद्धालुओं ने जहाँ अपना शीश नवाया, वहीं अपने प्राचीन इतिहास को देखकर गौरवान्वित महसूस किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी धार्मिक एवं तीर्थ यात्रा के हर क्षण के साथ जुड़े हुए है। इस यात्रा में हर श्रद्धालु की सुविधा के बारे में भी फीडबैक ले रहे है। इस धार्मिक यात्रा में तीसरे दिन देर सायं सभी श्रद्धालुओं ने सचखंड श्री हजूर साहिब में जाकर श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी को शीश नवाया और शब्द कीर्तन का आनंद लिया। सचखंड साहिब में मुख्य ग्रंथियों ने अरदास की और आरती का जाप किया। इसके बाद श्री गुरु गोबिंद जी महाराज के शस्त्रों को इतिहास के साथ श्रद्धालुओं को दिखाया गया। इस दौरान दरबार साहिब में रख गए महाराजा रणजीत सिंह के शस्त्रों को भी दिखाया गया। इन प्राचीन शस्त्रों को आज भी सजाया जाता है ताकि युवा पीढ़ी को अपने गुरुओं के इतिहास और कुर्बानियों के बारे में पता चल सके और देश व समाज के प्रति सेवा भाव पैदा हो सके। शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने श्री हजूर साहिब नांदेड के आसपास के गुरुद्वारों जिनमें नगीना घाट,बाबा निदान सिंह लंगर साहिब, बाऊली दमदमा साहिब, गुरुद्वारा संगत साहिब, गुरुद्वारा बाबा बंदा घाट साहिब,गुरुद्वारा माता साहिब कौर, गुरुद्वारा शिकार घाट साहिब आदि शामिल है, के भी दर्शन किए और पवित्र नदी गोदावरी के जल का आचमन किया।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार सभी श्रद्धालुओं को धार्मिक एवं तीर्थ यात्रा करवाई जा रही है। सभी संगतों मे सचखंड श्री हजूर साहिब व आसपास के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के दर्शन किए है।

मीडिया वैलबीइंग एसोसिएशन ने शिमला में समारोह कर पत्रकारों को वितरित कीं एक्सीडेंटल इंशोरेंस पॉलिसियां

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर बोले - मुख्यमंत्री 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के पत्रकारों को पेंशन देने पर सहमत

» प्रथम न्यूज । शिमला / चंडीगढ़
09 जून (मुकेश डोलिया)

पत्रकारों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को समर्पित मीडिया वैलबीइंग एसोसिएशन के हिमाचल प्रदेश प्रभारी एवं उत्तर भारत के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट संजय भुटानी की पहल पर प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित एक्सीडेंटल इंशोरेंस पॉलिसी लॉन्चिंग एवं वितरण समारोह सोमवार को शिमला स्थित होलीडे होम में उत्साह और गरिमामय वातावरण के बीच संपन्न हुआ। समारोह में हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में शिमला नगर निगम के मेयर सुरेंद्र चौहान विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान प्रदेशभर के विभिन्न स्थानों से पत्रकारों ने शिरकत की और वरिष्ठ पत्रकार डॉ.अश्विनी शर्मा, डॉ. शशि भूषण,अर्चना फुल, अनिल हेडली और डी आई पी आर सिंपल सकलानी सहित समाजसेवी गुरमीत सिंह अरोड़ा व बिमला ठाकुर को भी सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकारों ने इस मौके पर मार्गदर्शन भी किया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों को दस-दस लाख रुपए की नि:शुल्क एक्सीडेंटल बीमा पॉलिसियां वितरित की गईं। समारोह में पत्रकारों के कल्याण, सुरक्षा, बीमा, पेंशन और बदलते मीडिया परिवेश में उनकी भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

संगठन के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी के स्वागत भाषण से शुरू हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने संगठन के कार्यों की सराहना की और एसोसिएशन हिमाचल प्रभारी संजय भुटानी द्वारा मंच से रखे गए मांग पत्र की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के पत्रकारों को पेंशन देने पर सहमत हैं व इस बारे घोषणा की जा सकती है। मांग पत्र में हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों को हरियाणा व अन्य राज्यों की तर्ज पर पेंशन देने, सचिवालय में प्रेस रूम की व्यवस्था करने, पत्रकारों को कैशलेस हैल्थ मैडिकल की सुविधा देने और हिमाचल प्रदेश वेब पॉलिसी के अनुसार संपादकों को एक्रीडीटेशन देने की बात रखी गई।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि एसोसिएशन ने पत्रकारों के कल्याण के लिए जो मॉडल प्रस्तुत किया है, वह देशभर के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यों को देखकर उन्हें यह महसूस हुआ कि नेताओं के लिए भी इसी प्रकार का कोई संगठन होना चाहिए, जो उनके सामाजिक और व्यावसायिक हितों की रक्षा कर सके।उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती से पत्रकार कल्याण के लिए शुरू की गई इस मुहिम के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी और उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मीडिया का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि संगठन द्वारा पत्रकारों के कल्याण के लिए जो कार्य शुरू किए गए हैं, वे दूरगामी सोच का परिचायक हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की पहचान शांतिप्रिय राज्य के रूप में है और यहां पत्रकारों तथा प्रशासन के बीच बेहतर संवाद और सहयोग का वातावरण रहा है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारों के सामने आज अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार पत्रकारों के लिए बीमा और पेंशन योजनाओं को लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और पूरी सरकार की प्राथमिकता पत्रकारों के हितों की रक्षा करना है। नरेश चौहान ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे कमजोर करने का कोई भी प्रयास उचित नहीं है। शिमला नगर निगम के मेयर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि देश में अब तक किसी पत्रकार संगठन ने पत्रकारों के कल्याण के लिए इतना व्यापक कार्य नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण है और ऐसे समय में मीडिया वैलबीइंग एसोसिएशन पत्रकारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। उनकी निष्पक्ष रिपोर्टिंग से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को वास्तविक स्थिति का पता चलता है, जिससे व्यवस्था में सुधार संभव होता है। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों को प्रेरणादायी बताया।

मीडिया वैलबीइंग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था पत्रकारों को टर्म इंश्योरेंस, एक्सीडेंटल पॉलिसी, हेल्थ पॉलिसी तथा उनके परिवारों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद पत्रकारों को चिकित्सा सहायता भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव के बीच पत्रकारों के हितों और अधिकारों की रक्षा करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संगठन इसी उद्देश्य को लेकर कार्य कर रहा है और भविष्य में देशभर में अपने दायरे का विस्तार करेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के हिमाचल प्रदेश प्रभारी संजय भुटानी ने देवभूमि हिमाचल प्रदेश में आयोजित इस शानदार समारोह में आए अतिथियों एवं पत्रकारों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि समय के साथ पत्रकारिता का रूप काफी बदल गया है और वर्तमान परिस्थितियों में पत्रकारों को अपने पेशे के प्रति सतर्कता रखते हुए अपने कार्य को गंभीरता से करना है ताकि पत्रकारिता की गरिमा बनी रहे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में शासन व प्रशासन पत्रकारों को अपना दायित्व निभाने के लिए लिए काफी सुलभ व सुविधाजनक हैं।

समारोह में नोफल एक उम्मीद संस्था के अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने घोषणा की कि किसी भी पत्रकार परिवार को आवश्यकता पड़ने पर निशुल्क एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त पीजीआई चंडीगढ़ में चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होने पर भी संस्था सहयोग करेगी। एसोसिएशन के महासचिव डॉ. सुरेंद्र मेहता ने अतिथियों व पत्रकारों का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में उज्ज्वल शर्मा, प्रीति, टीना ठाकुर,पराक्रम शर्मा, दीपा, दीपिका, पूजा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।